शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 58 | गुवाहाटी | बुधवार, 25 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केदारनाथ धाम यात्रा ने फिर पकड़ी रफ्तार 11 लाख 83 हजार से अधिक पहुंचे धाम — पेज 2

राज्य सरकार तीन लाख 23 हजार 640 छात्रों को प्रदान करेगी साइकिल — पेज 3

राजस्थान में आईएएस-आईपीएस के बाद अब 183 आरएएस अधिकारियों के तबादले — पेज 5

अंपायरों के अनुभवी समूह में पोलोसाक सहित दस अंपायर, तीन मैच रेपरी होंगी — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जैसे एक सूखा पेड़ आग लगने पे पुरे जंगल को जला देता है। उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पुरे परिवार को खत्म कर देता है।
- आचार्य चाणक्य

पीएम की यूएस यात्रा को घटक दलों ने सराहा, कहा-

मोदीजी निर्विवाद विश्व नेता

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अमेरिकी यात्रा की सफलता को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी दलों के नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। आंध्रप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों ने कहा है कि देशों को एक साथ लाकर निर्विवाद रूप से वे बड़े विश्व नेता के रूप में उभरे हैं। प्रधानमंत्री मोदी को राजनेता की संज्ञा देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं टीडीपी नेता एम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हम उनके नेतृत्व में काम कर रहे हैं। विभिन्न राष्ट्रों के बीच भारत की स्थिति मजबूत की है और समुदायों व देशों को एक साथ लाकर निर्विवाद रूप से वे बड़े विश्व नेता के रूप में उभरे हैं। संयुक्त राष्ट्र में उनका संबोधन इस बात का प्रमाण है कि विश्व नेता भारत को कितना महत्व देते हैं और आने वाले वर्षों में हम वैश्विक मंच पर क्या भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी यात्रा को दूरगामी -शेष पृष्ठ दो पर

ग्वालपाड़ा के आरक्षित वन क्षेत्र से 450 परिवार बेदखल

ग्वालपाड़ा। असम के ग्वालपाड़ा जिले में बंदरमाथा रिजर्व वन के एक हिस्से पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले लगभग 450 परिवारों को राज्य प्राधिकारियों द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान बेदखल कर दिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। असम के ग्वालपाड़ा जिले में आरक्षित वन क्षेत्र में बनाए गए कई अवैध ढांचों को सोमवार को बुलडोजर और अन्य मिट्टी हटाने वाले वाहनों की मदद से ढहा दिया गया। असम के ग्वालपाड़ा जिले में आरक्षित वन क्षेत्र में बनाए गए कई अवैध ढांचों को सोमवार को बुलडोजर और अन्य मिट्टी हटाने वाले वाहनों की मदद से ढहा दिया गया। ग्वालपाड़ा प्रभागीय वन अधिकारी तेजस मारिस्वामी ने कहा कि प्राधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे लोगों को क्षेत्र छोड़ने के लिए नोटिस जारी किया था, जिसके बाद लगभग सभी लोग वहां से चले गए। वहां लगभग 2,000 लोग रहते थे और कई वर्षों से वहां रह रहे थे तथा उन्होंने लगभग 55 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण कर लिया था। सोमवार को इलाके में बने कई अवैध ढांचों, जिनमें घर, मस्जिद और दूसरी इमारतें शामिल थीं, को बुलडोजर और दूसरे मिट्टी हटाने वाले वाहनों की मदद से ढहा दिया गया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में कई सुरक्षा और वनकर्मी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है, जिसमें ग्वालपाड़ा के सभी संरक्षित वन क्षेत्रों को अतिक्रमण से मुक्त करने का आदेश दिया गया था। जिले के जंगल मानव-हाथी संघर्ष के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आंध प्रदेश में हनुमान मंदिर के रथ को लगाई आग, पांच गिरफ्तार

अनंतपुर। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में मंगलवार सुबह अज्ञात लोगों ने हनुमान मंदिर के रथ को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है। अनंतपुर के पुलिस अधीक्षक पी जगदीश ने बताया कि घटना सांप्रदायिक नहीं है, बल्कि एक ही समुदाय के दो गुटों के -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार : नदी में नहाने के दौरान डूबने से छह की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव की रहने वाली तीन बहनें जीतीया पर्व के मौके पर सोती नदी में नहाने के लिए गई थीं। नहाने के दौरान ही तीनों बहनों के गहरे पानी में चली गईं और डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवपूजन राम की 20 वर्षीय विवाहित पुत्री दीपनी कुमारी, 15 वर्षीय पुत्री मंजू कुमारी और परमानंद -शेष पृष्ठ दो पर

सुरक्षा बलों ने तीन बांग्लादेशियों को भारत में घुसने से रोका

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने तीन बांग्लादेशियों की अवैध रूप से भारत में प्रवेश की कोशिश को विफल कर दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम पुलिस ने सतर्कता दिखाई और सोमवार को दो महिलाओं सहित तीन *अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों* को अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार वापस धकेलने में कामयाब रहे। उन्होंने बताया कि तीनों -शेष पृष्ठ दो पर

मौसम में सुधार के कारण राज्य में स्कूलों की छुट्टियां रद्द

गुवाहाटी। असम के कामरूप और गुवाहाटी में भीषण गर्मी के कारण जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने आज 27 सितंबर तक छात्रों की छुट्टियों के आदेश को रद्द कर दिया है। राज्य में मौसम की स्थिति में सुधार के कारण यह निर्णय लिया गया है। 25 सितंबर से सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक कक्षाएं फिर से शुरू होंगी। जिला निकाय ने 20 सितंबर को आदेश दिया कि असम के कामरूप और गुवाहाटी में अत्यधिक गर्मी के कारण सभी सरकारी और निजी स्कूल 27 सितंबर तक बंद रहेंगे। यह निर्णय छात्रों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए लिया गया है। राज्य के कई जिला स्कूलों में भीषण गर्मी के कारण छात्रों के बीमार पड़ने और -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड चुनाव : सीएम हिमंत ने भाजपा की तैयारी पर जोर दिया

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनावों के संबंध में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बयान दिया। शर्मा ने कहा कि चुनाव की तारीख भारत का चुनाव आयोग तय करेगा, लेकिन भाजपा चुनावी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है और उसने ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू) और जनता दल (यूनाइटेड) जैसी क्षेत्रीय पार्टियों के साथ रणनीतिक चर्चा शुरू कर दी है। उल्लेखनीय -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में 500 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सीएम माणिक साहा बोले- उग्रवाद किसी समस्या का हल नही

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में मंगलवार को प्रतिबंधित समूहों नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) से जुड़े करीब 500 उग्रवादियों ने मुख्यमंत्री माणिक साहा के सामने आत्मसमर्पण किया है। सिपाहिजाला जिले के जम्पुइजाला में एक समारोह में उग्रवादियों का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उग्रवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। इस सामूहिक आत्मसमर्पण के बाद सीएम माणिक साहा ने पूर्वोत्तर राज्य को पूरी तरह से उग्रवाद मुक्त घोषित किया। सीएम साहा ने कहा कि केंद्र और राज्य कई योजनाएं शुरू करके स्वदेशी लोगों के समग्र विकास के लिए काम कर रहे हैं। मैं उन लोगों का स्वागत करता हूं जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। मामले में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आज, करीब 500 एनएलएफटी और एटीटीएफ उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है और बाकी कैडर आने वाले दिनों में आत्मसमर्पण करेंगे। इस आत्मसमर्पण के दौरान उग्रवादियों ने अत्याधुनिक हथियार जमा किए। -शेष पृष्ठ दो पर

अगले पांच सालों में 75 हजार मेडिकल सीट बढ़ेंगी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि चिकित्सा पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अगले पांच सालों में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग(एनएमसी) 75,000 मेडिकल सीट को जोड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह लक्ष्य निर्धारित किया है। आज राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के चौथे वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान 25,000 यूजी और पीजी सीटें जोड़ी गईं। एनएमसी ने एक साल पहले देश में 1,00,000 एमबीबीएस सीटों के अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया। नड्डा ने एनएमसी को देश में चिकित्सा शिक्षा की -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल सरकार ने की 150 साल पुरानी ट्राम सेवा को बंद करने की तैयारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता की 150 साल पुरानी परिवहन सेवा ट्राम को बंद करने का फैसला किया है। परिवहन मंत्री स्नेहासिस चक्रवर्ती ने कहा कि सरकार मैदान से एस्प्लेनेड तक एक विरासत खंड को छोड़कर अन्य ट्राम को जल्द बंद करने की तैयारी की है। इसे लेकर कलकत्ता ट्राम उपयोगकर्ता संघ (सीयूटीए) ने विरोध करने का एलान किया है। पूरे देश में कोलकाता एकमात्र ऐसा शहर है, जहां ट्राम चलती है। परिवहन मंत्री ने कहा कि धीमी गति से चलने वाली ट्राम व्यस्ततम घंटों में सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा करती हैं। इनको मौजूदा समय में नहीं चलाया जा सकता, क्योंकि सड़कों पर वाहन और भीड़ दोनों बढ़ रहे हैं। परिवहन मंत्री ने कहा कि कोलकाता में सड़कों का हिस्सा केवल छह फीसदी है। ऐसे में शाम के वक्त ट्राम और वाहनों के एक -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रेन पलटाने की साजिश का एनआईए करेगी जांच : अश्विनी वैष्णव

जयपुर। राजस्थान, कानपुर और गुजरात समेत देशभर में ट्रेन पलटाने की साजिशों को नाकाम करने के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कई राज्यों के अधिकारियों और पुलिस के साथ बातचीत की। रेल मंत्री ने जयपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार सुरक्षा के मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेती है। ट्रेनों में तोड़फोड़ और उन्हें पलटाने की साजिश रचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर चुनाव : कड़ी सुरक्षा के बीच 26 सीटों पर आज होगी वोटिंग

श्रीनगर। कड़ी सुरक्षा के बीच, 25 सितंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए जम्मू-कश्मीर के छह जिलों में सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। कुल 25.78 लाख मतदाता 26 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव लड़ रहे 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। यह चरण जम्मू और कश्मीर के छह जिलों के 26 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगा, जिसमें कश्मीर डिवीजन में गांदरबल, श्रीनगर और बडगाम और जम्मू डिवीजन में रियासी, राजौरी और पुंछ शामिल हैं। मतदान कर्मियों को ईवीएम सहित सभी मतदान सामग्री वितरित कर दी गई है। विधानसभा चुनाव के इस चरण में कई प्रमुख उम्मीदवार शामिल होंगे, जिनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर -शेष पृष्ठ दो पर

भक्तों पर नहीं दिखा प्रसाद विवाद का असर

चार दिनों में बिके 14 लाख लड्डू

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू विवाद पर आंध्र प्रदेश समेत पूरे देश में सियासी घमासान मचा है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के दो दिग्गज प्रकाश राज और अभिनेता से राजनेता बने पवन कल्याण भी इस मुद्दे पर आमने-सामने हो चुके हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने एक स्वतंत्र समिति से जांच की मांग भी की। मगर इस विवाद का श्रद्धालुओं पर खास असर नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि लड्डू विवाद अब बीती बात हो गई है। तिरुपति मंदिर -शेष पृष्ठ दो पर

विधानसभाओं में हंगामा और कटुता चिंता का विषय : लोस अध्यक्ष

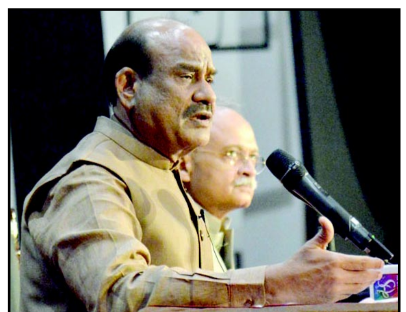

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि विधानसभाओं में हंगामा और कटुता चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सदन सभी की भागीदारी के साथ सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर गरिमापूर्ण चर्चा का केंद्र बने। 10वां राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए)-भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रेस वार्ता में कहा कि इसमें सतत विकास और समावेशी विकास में विधायी निकायों की भूमिका विषय पर चर्चा हुई। बिरला ने कहा कि विधानसभाओं में हंगामा और कटुता चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर समय-समय पर पीठासीन अधिकारियों से चर्चा की गई है और पीठासीन अधिकारियों से सदन की कार्यवाही गरिमा और मर्यादा के साथ तथा भारतीय मूल्यों और मानदंडों के अनुसार संचालित करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि सदन की परंपराएं और प्रणालियां भारतीय प्रकृति की होनी चाहिए तथा नीतियां और कानून भारतीयता की भावना को मजबूत करने वाले होने चाहिए ताकि *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* के संकल्प को प्राप्त किया जा सके। बिरला -शेष पृष्ठ दो पर

50 सेकेंड में आधा देश निगल गया इजरायल, देखती रह गई दुनिया

यरूशलेम। अपने देश की सुरक्षा के लिए कोई देश किस हद तक जा सकता है वो इजरायल ने 50 सेकेंड में बता दिया। गुस्से में बेकाबू हो चुके इजरायल ने पूरा गाजा और आधा लेबनान साफ कर दिया है। इजरायल ने कुछ ही मिनटों में हिजबुल्ला के 1600 टारगेट उड़ाकर अपने हथियारों को थैक्यू कहा है। लेबनान में सोमवार तड़के से हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 558 हो गयी हैं। मृतकों में 50 बच्चे एवं 94 महिलाएं शामिल हैं। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजरायल ने अपने आयरन डोम के लिए अपने ईश्वर को धन्यवाद कहा है। लेकिन इजरायल ने पहली -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

केदारनाथ धाम यात्रा ने फिर पकड़ी रफ्तार 11 लाख 83 हजार से अधिक पहुंचे धाम

देहरादून (हि.स.)। केदारनाथ धाम यात्रा ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। बरसात कम होने के बाद चार से पांच हजार यात्री ही बाबा केदार के दर्शनों को पहुंच रहे थे। अब पिछले दो दिनों से लगातार 11 हजार से अधिक तीर्थयात्री प्रतिदिन दर्शनों को पहुंच रहे हैं। मंगलवार शाम को दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 11 लाख 83 हजार 370 पहुंच गई है। अब मानसून सीजन समाप्ति की ओर है, पिछले एक सप्ताह से मौसम साफ होने के साथ ही केदारनाथ धाम यात्रा ने भी तेज गति पकड़ ली है। यात्रा कंट्रोल रूम रुद्रप्रयाग से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार सायं सात बजे तक 11548 केदारनाथ धाम में पहुंचे। इनमें से पुरुष 7514, महिला 3816, बच्चे 218 पहुंचे। अब तक धाम में 11 लाख 83 हजार 370 से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई है। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में बाबा केदारनाथ के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। पिछले वर्ष करीब 19 लाख लोगों अकेले बाबा केदार के दर्शन किए थे जबकि चारधाम यात्रा करने वालों की कुल संख्या 56 लाख के करीब थी। इस वर्ष 31 जुलाई को केदार घाटी में हुई अतिवृष्टि के कारण कई स्थानों पर सड़क और पैदल मार्ग बाधित हो गया था। जिसके चलते कारीब यात्रा प्रभावित रही। हालांकि यात्रा मार्ग सुचारू करने एवं स्थानीय लोगों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री धामी के निर्देशन एवं नेतृत्व में युद्ध स्तर पर राज्य एवं जिला प्रशासन की मशीनरी ने 15 दिनों में ही पैदल यात्रा मार्ग पर आवाजाही शुरू कर दी थी जबकि एक महीने में यात्रा पटरी पर लौट आई थी। मुख्यमंत्री धामी के निर्देशन में गढ़वाल कमिश्नर, आपदा सचिव सहित संबधित सभी विभाग यात्रा सुचारू करने को प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे थे। भारी बारिश के बावजूद जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के प्रयासों से रिकॉर्ड समय में सभी यात्रियों को रेस्क्यू करने के साथ ही यात्रा दोबारा सुचारू कर दी गई है। यात्रा मार्ग एवं व्यापार समय पर शुरू करवाने के लिए केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का धन्यवाद देते हुए कहा कि धामी जी द्वारा यात्रा का दूसरा चरण शुरू करने एवं व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी को निशुल्क हेली सेवा देकर केदारनाथ पहुंचाने का प्रयास बेहद सराहनीय था।

सड़क दुर्घटना में छात्रा की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के टिहू इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ट्यूशन से स्कूटी के जरिए घर लौट रही छात्रा की स्कूटी टिहू नगर के तीन नंबर वार्ड इलाके में अनियंत्रित होकर नाले में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। छात्रा को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। मृत छात्रा रानाकुची हेलसापाड़ा इलाके की रहने वाली थी। मृत छात्रा टिहू के शंकरदेव शिशु निकेतन की नौवीं कक्षा की छात्र बताई गई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत छात्रा के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है।

भारत अफ्रीका को करेगा लोकोमोटिव निर्यात

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय रेलवे और वेबटेक का संयुक्त उद्यम *वेबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड* अफ्रीकी देशों को लोकोमोटिव निर्यात करेगा। इसके लिए कंपनी अपने संयंत्र की क्षमताओं को विस्तार दे रही है। पहली बार संयंत्र वैश्विक निर्यात के लिए लोकोमोटिव का निर्माण करेगा। उल्लेखनीय है कि बिहार के मरहौरा में 70 एकड़ में स्थित मरहौरा प्लांट की स्थापना 2018 में भारतीय रेलवे के लिए एक हजार अत्याधुनिक इंजनों के स्वदेशी निर्माण के लिए की गई थी। यह प्लांट लगभग 600 लोगों को रोजगार देता है और भारतीय रेलवे को हर साल लगातार 100 इंजन उपलब्ध कराता रहा है। आज तक यह लगभग 650 इंजनों का निर्माण किया जा चुका है, जिन्हें भारतीय रेलवे के लोकोमोटिव बेड़े में शामिल किया गया है। यह संयंत्र वैश्विक ग्राहकों को इवोल्यूशन सीरीज ईएस43एसीएमआई लोकोमोटिव की आपूर्ति करेगा। यह एक लोकोमोटिव है जिसमें 4,500 एचपी इवोल्यूशन सीरीज इंजन है। यह उच्च तापमान वाले वातावरण में अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता और सिद्ध प्रदर्शन प्रदान करता है। मरहौरा संयंत्र 2025 में इन लोकोमोटिव का निर्यात शुरू करेगा। रेलवे का कहना है कि यह परियोजना रणनीतिक महत्व की है क्योंकि यह भारत को वैश्विक लोकोमोटिव निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगी और *मेक इन इंडिया* और *मेक फॉर द वर्ल्ड* पहलों के साथ जोड़ेगी। यह मरहौरा संयंत्र को वैश्विक स्तर पर मानक-गेज लोकोमोटिव का निर्यात करने में भी सक्षम बनाएगी।

पूसीरे ने बेटिकट यात्रियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 34.06 करोड़ रुपए से अधिक राशि अर्जित की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) सभी वास्तविक यात्रियों को परेशानीमुक्त, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से सघन टिकट जांच अभियान चला रही है। बिना टिकट और अनियमित यात्रियों के विरुद्ध निरंतर निगरानी रखते हुए, ऐसी गतिविधियों को हतोत्साहित करने के लिए उक्त अभियान चलाए जाते हैं,जिनसे वास्तविक यात्रियों को असुविधा होती है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि चालू वित्त वर्ष के अप्रैल माह से 22 सितंबर की अवधि के दौरान, बिनाटिकट, अनियमित टिकट यात्रियों के 396101 मामलों का पता लगाया गया, जिसमें दोषियों से किराये और दंड शुल्क के रूप में 34.06 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अर्जित की गई। पिछले वर्ष की समान अवधि अप्रैल माह से 22 सितंबर 2023 के दौरान 394076 मामलों का पता लगाया गया और लगभग 33.78 करोड़ रुपए किराया एवं जुर्माना के रूप में वसूला गया। इस प्रकार, चालू वर्ष के दौरान, बीते वर्ष की समान अवधि की तुलनामें 0.51 प्रतिशत अधिक मामलों का पता लगाया गया और दोषियों से जुर्माना एवं किराये के रूप में 0.82 प्रतिशत अधिक राशि की आय हुई। चालू वित्तवर्ष 2024-25 में अप्रैल-अगस्त के बीच, बिना उचित यात्रा टिकट के यात्रा करने वाले यात्रियों की जांच के लिए रेलवे मजिस्ट्रेट की सहायता से अनधिकृत यात्रियों के खिलाफ 03 औचक टिकट जांच अभियान चलाए गए। अभियान के दौरान मजिस्ट्रेट ने 167 व्यक्तियों पर मुकदमा दायर किया और रेल अधिनियम का उल्लंघन करने वाले 161 व्यक्तियों पर जुर्माना लगाया। इन अनधिकृत यात्रियों पर लगाए गए जुर्माने में सरकारी शुल्क के साथ-साथ किराया एवं जुर्माना शुल्क भी शामिल है। तीनों जांच अभियान से प्राप्त कुल राशि 10.58 करोड़ रुपए है। बिना उचित टिकट या अधिकृत दूरी से अधिक दूरी की यात्रा करने पर अतिरिक्त शुल्क और किराया लगाया जा सकता है। यदि कोई यात्री दंड शुल्क मांगे जाने पर भुगतान करने में विफल होता है या मना करता है, तो उसे भुगतान में चूक करने का दोषी माना जाएगा और रेलवे अधिनियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत उसपर मुकदमा चलाया जाएगा।

डेरा मुखी राम रहीम के विरूद्ध पंजाब-हरियाणा एचसी पहुंची एसजीपीसी

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने एक बार फिर से डेरा सच्चा सौदा मुखी गुरमीत राम रहीम के विरूद्ध पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में रिवीजन याचिका दायर की है। मंगलवार को हाई कोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर लिया है। 2007 में डेरा मुखी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह का स्वांग रचा था। उसके बाद यह मामला श्री अकाल तख्त साहिब तक पहुंचा था। फिर अकाल तख्त ने डेरा मुखी और उनके समर्थकों के बायकाट का आदेश सुनाया था। उस समय एसजीपीसी ने धार्मिक भावनाओं को भड़काने संबंधी याचिका दायर की थी। बठिंडा जिला अदालत ने 2015 में याचिका खारिज कर दी थी।

जेल में गैंगस्टर लॉरेंस का इंटरव्यू करवाने वाले अफसरों को पंजाब सरकार ने थमाया नोटिस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टर माइंड गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की पुलिस हिरासत में इंटरव्यू के मामले में पंजाब सरकार ने चार पुलिस अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। पंजाब सरकार की तरफ से मंगलवार को हाई कोर्ट में इस केस की सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी गई। गैंगस्टर लॉरेंस इस समय गुजरात की जेल में नशा तस्करी से जुड़े केस में बंद है। उसे अहमदाबाद के साबरमती में हाई सिक्योरिटी जेल में रखा गया है। हाल ही में उसके पाकिस्तानी डॉन से ईद की बधाई को लेकर वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग भी वायरल हुई थी। लॉरेंस का पहला इंटरव्यू 14 मार्च को ब्रॉडकास्ट हुआ था, जिसमें लॉरेंस ने सिद्धू मूसेवाला का कत्ल करवाने की बात कबूली थी। लॉरेंस ने अपने दूसरे इंटरव्यू में जेल के अंदर से इंटरव्यू करने का सबूत भी दिया था। उसने अपनी बैरक भी दिखाई और बताया कि उसे बाहर नहीं जाने दिया जाता, लेकिन मोबाइल भी उसके पास आ जाता है और सिग्नल भी। हाई कोर्ट में आज इस केस की सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने बताया कि इस मामले में अफसरों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उस समय के एसएपी, एसपी, डीएसपी और तत्कालीन सीआईए इंचार्ज को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह बात पहले ही साफ हो चुकी है कि पहला इंटरव्यू सीआईए खरड़ और दूसरा इंटरव्यू राजस्थान में हुआ है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पूछा कि जिन अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, वह इस समय कहां पर तैनात है। इस पर सरकार ने कहा कि कार्रवाई शुरू हो गई है। जैसे उनका जवाब आएगा, उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। अदालत ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ दी गई जानकारी एफिडेविट के रूप में दी जाए। अदालत ने खरड़ सीआईए के इंचार्ज शिव कुमार के बारे में विशेष तौर पूछा कि वह कहां पर तैनात है। सरकारी वकील ने कहा कि वह रिटायर हो चुके हैं। उन्हें एक्सटेंशन दी गई है। अदालत ने पूछा कि एक्सटेंशन किस आधार पर दी गई है, इस बारे में विस्तार बताया जाए।

पंजाब : सरकारी स्कूलों के 72 शिक्षक ट्रेनिंग के लिए जाएंगे फिनलैंड

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के सरकारी प्राइमरी स्कूलों के अध्यापकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग मुहैया करवाने के उद्देश्य से फिनलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ तुर्कु में भेजने का फैसला किया गया है। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मंगलवार को बताया कि प्राइमरी स्कूल के अध्यापकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग प्रदान करवाने का फैसला मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा लिया गया है। यह ट्रेनिंग तीन हफ्तों की होगी। बैंस ने बताया कि फरवरी 2023 से अब तक कुल 198 प्रिंसिपलों और शिक्षा प्रशासकों को लीडरशिप विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

पृष्ठ एक का शेष

मोदीजी निर्विवाद विश्व...

एवं सकारात्मक प्रभाव छोड़ने वाला बताते हुए बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यू) नेता नितीश कुमार ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच निवेश बढ़ाने को लेकर लिए गए निर्णय स्वागत योग्य हैं। इससे अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। बिहार के लोग नये अवसरों से उत्साहित हैं। विश्व के नेताओं और भारतीय प्रवासियों की तरफ से गर्मजोशी के साथ किया गया स्वागत उनके नेतृत्व को मजबूती प्रदान करता है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा ने एक बार फिर दिखाया है कि वे एक वैश्विक राजनेता और सर्वोत्कृष्ट ट्रेंड सेटर क्यों हैं। एक छोटी-सी यात्रा में वह कई क्षेत्रों को कवर करने में सफल रहे हैं, जिससे भारत की प्रगति यात्रा को मजबूती मिलेगी। भारतीय होने के नाते हमें यह देखकर बहुत गर्व महसूस होता है जब हमारे प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा अपने निजी आवास और स्कूल में विशेष स्वागत किया जाता है। निवेश आकर्षित करने के प्रधानमंत्री के प्रयासों से स्वाभाविक रूप से हमारे राज्य को लाभ होगा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने प्रधानमंत्री को वैश्विक नेता और मां भारती का प्रिय पुत्र बताया। जीतनराम मांझी ने कहा कि मोदीजी के संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन के संबोधन को दुनिया याद रखेगी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान मोदीजी के प्रति दुनिया के प्यार को देखकर हर भारतीय खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

ग्वालपाड़ा के आरक्षित ...

हॉटस्पॉट में से एक हैं। मारिस्वामी ने कहा कि अवैध निर्माणों को हटाने और बेदखल करने का काम बुधवार को भी जारी रहेगा। एक बार जब क्षेत्र खाली हो जाएगा, तो 118 हेक्टेयर में फैले आरक्षित वन में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इस बीच, कामरूप (महानगर) जिले के सोनापुर राजस्व अंचल के कचुटली क्षेत्र में आदिवासियों के लिए आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण करने वाले 150 परिवारों को मंगलवार को बेदखल कर दिया गया। इस महीने की शुरुआत में बेदखली अभियान के पहले चरण के दौरान इस इलाके में हिंसक घटनाएं हुई थीं। 12 सितंबर को जब यहां बेदखली अभियान चल रहा था, तब अतिक्रमणकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में दो लोगों की मौत हो गई थी और पुलिस और प्रशासनिक कर्मियों समेत 35 अन्य घायल हो गए थे।

सुरक्षा बलों ने ...

बांग्लादेशियों की पहचान अनवर हुसैन, नशरीन शेख और बबली शेख के रूप में हुई है। हालांकि, शर्मा ने उस स्थान या क्षेत्र के बारे में नहीं बताया, जिसके माध्यम से तीनों ने भारत में प्रवेश करने का प्रयास किया था। असम के करीमगंज, कछार, धुबड़ी और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। करीमगंज के सुतारकंडी में एक एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) है। पूर्वोत्तर में कुल तीन आईसीपी हैं और अन्य दो मेघालय के दावकी और त्रिपुरा के अखौरा में हैं। असम के डीजीपी जीपी सिंह ने पहले कहा था कि राज्य पुलिस और बीएसएफ कानून के अनुसार गैर-भारतीयों के बांग्लादेश से देश में प्रवेश करने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि सभी भारतीय पासपोर्ट धारकों को संकटग्रस्त बांग्लादेश से राज्य के प्रवेश द्वार से लौटने की अनुमति दी जाएगी।

मौसम में सुधार के...

बेहोश होने की खबरें आई हैं। छुट्टियों की घोषणा से पहले ही जिला प्रशासन ने स्कूल के समय में बदलाव का आदेश दिया था ताकि दोपहर के व्यस्त समय में छात्रों को कम से कम समय तक स्कूल में रहना पड़े। असम के जिला स्कूलों के बदले हुए समय में सुबह 7.30 से दोपहर 12.30 बजे तक का समय तय किया गया। स्कूल में होने वाली सभाएं और बाहरी गतिविधियां भी बंद कर दी गई हैं।राज्य में भीषण गर्मी के कारण यह स्थिति बनी हुई है। इस बीच, बिहार के पटना जिला प्रशासन ने सोमवार को छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के 76 सरकारी स्कूलों को 26 सितंबर तक बंद रखने का फैसला किया है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि राजधानी के कई इलाकों में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पटना के जिला मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर सिंह द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया कि गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण पटना जिले के आठ ब्लॉकों के कुल 76 सरकारी स्कूल बंद रहेंगे। आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) के अनुसार गंगा के किनारे बसे लगभग 12 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं, जिससे निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 13.56 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। विभाग ने बताया कि कुल 376 ग्राम पंचायतें प्रभावित हुई हैं, जिनमें से कई लोगों को शिविरों में भेज दिया गया है।

झारखंड चुनाव : सीएम...

है कि इन गठबंधनों का उद्देश्य झारखंड में भाजपा की स्थिति को मजबूत करना है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में जनता की भावना परिवर्तन की ओर झुक रही है, जो यह दर्शाता है कि भाजपा मौजूदा सरकार को चुनौती देने और नया नेतृत्व पेश करने का अवसर देख रही है। आजसू और जेडी(यू) जैसी पार्टियों के साथ चल रही बातचीत से भाजपा की मंशा का संकेत मिलता है कि वह एक मजबूत चुनावी गठबंधन बनाना चाहती है, जैसा कि अन्य राज्यों में उसका दृष्टिकोण है, जहां क्षेत्रीय गठबंधन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शर्मा के नेतृत्व में भाजपा विभिन्न राज्यों में अपने राजनीतिक प्रयासों को तेज कर रही है और आगामी झारखंड विधानसभा चुनावों में खुद को एक प्रमुख दावेदार के रूप में स्थापित कर रही है।

त्रिपुरा में 500 उग्रवादियों ...

4 सितंबर को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में केंद्र और राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। बता दें कि एनएलएफटी और एटीटीएफ दोनों समूहों ने 1990 के दशक के उत्तरार्ध से दो दशकों तक राज्य में कहर बरपाया था। उग्रवाद के कारण हजारों लोग, खासकर गैर-आदिवासी, विस्थापित हुए। केंद्र ने आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के पुनर्वास के लिए 250 करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज की घोषणा की है।

पश्चिम बंगाल सरकार ...

साथ सड़क पर होने से कई जगहों पर भीषण जाम लगता है। उन्होंने कहा कि 1873 में घोड़े से खींची जाने वाली गाड़ी के रूप में शुरुआत के बाद ट्राम कोलकाता की विरासत का एक हिस्सा हैं। ट्राम ने परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्राम चलाने का मुद्दा अब कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। राज्य सरकार अगली सुनवाई में उपरोक्त दलील देगी। मंत्री ने कहा कि महानगर में सबसे कम सड़क स्थान होने के बावजूद कोलकाता पुलिस ने व्यस्ततम घंटों के दौरान भी यातायात चालू रखा है। ट्रैफिक जाम के कारण लोगों को कार्यालय जाने में देर न हो। इसलिए हमको ट्राम को सड़कों से हटाने सहित कुछ कठिन कदम उठाने होंगे। हालांकि, हेरिटेज ट्राम मैदान और एस्प्लेनेड के बीच चलेंगीं। राज्य सरकार के फैसले का कलकत्ता ट्राम उपयोगकर्ता संघ (सीयूटीए) ने विरोध किया है। इसे लेकर हम शहर भर में पांच ट्राम डिपो के सामने प्रदर्शन करेंगे। पर्यावरण कार्यकर्ता सोमेंद्र मोहन दास ने कहा कि हम ट्राम को बंद नहीं होने देंगे। यदि राज्य सरकार यातायात की भीड़ को कम करने के लिए गंभीर है, तो वह अतिक्रमण हटा सकती है और सड़कों को चौड़ा कर सकती है। ट्राम प्रदूषण कम करती हैं। साथ ही इनकी औसत गति भी कम है। हम ट्राम को बचाने के लिए इस सप्ताह आंदोलन शुरू करेंगे। सीयूटीए के सदस्य कौशिक दास ने कहा कि अगर सरकार डिपो में कई वर्षों से अप्रयुक्त पड़े ट्रामकारों की मरम्मत और नियमित रखरखाव करती है, तो वे ट्राम को सुचारू तरीके से चला सकते हैं। सीयूटीए ने कोलकाता ट्राम को बचाने के लिए हैशटैग अभियान शुरू किया है।

ट्रेन पलटाने की ...

की जाएगी। केंद्रीय मंत्री मंगलवार को सवाई माधोपुर में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली की दक्षता की जांच करने के लिए कवच-युक्त ट्रेन का निरीक्षण करने पहुंचे। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकारों, डीजीपी और गृह सचिवों के साथ बातचीत चल रही है। जांच के लिए एनआईए को भी शामिल किया गया है। जो कोई भी इस तरह की दुर्घटना का कारण बनने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह हमारा संकल्प है। हम रेलवे प्रशासन मंडलों, जोनों में रेलवे सुरक्षा बल और देश भर में स्थानीय राज्य पुलिस के साथ मिलकर सतर्कता के साथ काम कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर चुनाव...

अब्दुल्ला, अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा, पीडीपी के आगा सैयद मुंतजिर मेहदी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना शामिल हैं। कश्मीर डिवीजन में, 15 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होना है। इनमें कंगन, गांदरबल, हजरतबल, खानयार, हब्बाकदल, लाल चौक, चन्नपोरा, जदीबल, ईदगाह, 26-सेंट्रल शाल्टेंग, बडगाम, बीरवाह, खानसाहिब, चरार-ए-शरीफ, और चदूरा शामिल है। वहीं, जम्मू संभाग में 11 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होने हैं: गुलाबगढ़, रियासी, श्री माता वैष्णो देवी, कालाकोट-सुंदरबनी, नौशेरा, राजौरी, बुद्धल, थन्नामंडी, सुरनकोट, पुंछ हवेली और मेंढर। नवीनतम मतदाता सूची के अनुसार, इस चरण में 25,78,099 मतदाता मतदान करने के पात्र हैं, जिनमें 13,12,730 पुरुष मतदाता, 12,65,316 महिला मतदाता और 53 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। लोकतंत्र को मजबूत करने में जम्मू-कश्मीर के युवाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, 18 से 19 वर्ष की आयु के 1,20,612 मतदाता विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान करने के लिए पात्र हैं। रिटर्निंग ऑफिसर खालिद हुसैन मलिक ने बताया कि हमारे मतदान कर्मचारी अपने संबंधित मतदान केंद्रों पर जाने के लिए तैयार और तैयार हैं। मतदान केंद्रों पर हर सुविधा मौजूद है. सुरक्षा के लिहाज से कंट्रोल रूम में लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी और मॉनिटरिंग की जाएगी. सभी मतदान वाहनों में जीपीएस चिप लगे हैं और उन पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। सब कुछ तैयार है। मतदान सुबह 7:00 बजे शुरू होगा और शाम 6:00 बजे समाप्त होगा। हम सभी मतदाताओं से आग्रह करते हैं कि वे बाहर आएं और अपना वोट डालें।

अगले पांच सालों ...

गुणवत्ता में सुधार और वृद्धि के अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) की शुरुआत पर भी प्रकाश डालते हुए इसे सभी एलोपैथिक डॉक्टरों के लिए एक गतिशील डेटाबेस कहा कि जिसमें पहले ही लगभग 20,000 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवा की दिशा में हाल के प्रयास, विशेष रूप से परिवार गोद लेने का कार्यक्रम, एमबीबीएस छात्रों को अधिक मानवीय और कुशल चिकित्सक बनने के लिए तैयार करेगा। उन्होंने निवारक स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण के लिए मानसिकता में बदलाव की ओर भी इशारा किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने चयनित 89 निबंधों की एक निबंध संकलन पुस्तक *मेकिंग ऑफ ए फैमिली फिजिशियन: रीचिंग द रूट्स,* चयनित 67 कोलाज की एक कोलाज पुस्तक *आर्ट ऑफ मेकिंग ऑफ ए फैमिली फिजिशियन: रीचिंग द रूट्स* और गांव के आउटरीच के माध्यम से परिवार गोद लेने के कार्यक्रम के तहत कॉलेजों द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों पर प्रथम सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

चार दिनों में बिके ...

में लड्डू की बिक्री पहले की तरह जारी है। मंदिर में रोजाना औसतन 3.50 लाख लड्डू की बिक्री होती है। चार दिनों में 14 लाख से अधिक लड्डू बिक चुके हैं। आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में रोजाना देश-दुनिया से हजारों श्रद्धालु भगवान वेंकटेश के दर्शन को आते हैं। यहां के प्रसादम का अपना धार्मिक महत्व है। भक्त अक्सर यहां से प्रसाद खरीद कर अपने साथ ले जाते हैं। लड्डू को बादाम, किशमिश, काजू, बंगाली चना, चीनी और गाय के घी से तैयार किया जाता है। तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में पशु चर्बी होने का आरोप आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लगाया था। उन्होंने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना भी साधा था। प्रदेश सरकार ने मामले की जांच कराई और लैब रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि होने की बात कही। चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने लड्डू में घटिया सामग्री और पशु वसा के इस्तेमाल की इजाजत दी थी। उन्होंने आगे यह भी कहा कि अब शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि जगन मोहन रेड्डी ने नायडू पर राजनीति करने का आरोप लगाया।

विधानसभाओं में हंगामा ...

ने कहा कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सदन सभी की भागीदारी के साथ सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर गरिमापूर्ण चर्चा का केंद्र बने। किसी भी देश और राज्य के विकास में विधानसभाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बिरला ने कहा कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता से जुड़ने और उनकी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों को देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विधानसभाओं के प्रभावी कामकाज के लिए नए सदस्यों को सदन के कामकाज, सदन की गरिमा और शिष्टाचार तथा जनता के मुद्दों को उठाने के लिए उनके पास उपलब्ध विधायी साधनों के उपयोग से संबंधित व्यापक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि पीठासीन अधिकारियों को पार्टियों के बीच निरंतर और सुसंगत संवाद बनाए रखना चाहिए और राजनीति के नए मानक स्थापित करने चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विधायी निकाय अपने राज्यों में विधानसभाओं में प्रक्रियाओं और अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर रहे हैं और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जन प्रतिनिधियों की क्षमता निर्माण के लिए उपाय कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे उपाय विधानमंडलों की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार करने में बहुत मददगार साबित होंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य विधानसभाओं को डिजिटलीकरण की गति को बढ़ाना चाहिए, ताकि *एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म* की परिकल्पना को साकार किया जा सके। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सम्मेलन के दौरान पीठासीन अधिकारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों जैसे वित्तीय स्वायत्तता, सदनों के सत्रों में दिनों की संख्या में कमी, ई-विधान आदि पर आगे चर्चा की जाएगी और स्वीकार्य समाधान खोजे जाएंगे। बिरला ने उम्मीद जताई कि दो दिवसीय सम्मेलन से विधानमंडलों के कामकाज में स्पष्ट परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि पीठासीन अधिकारियों को नई सोच, नई दृष्टि के साथ काम करना चाहिए और भविष्य के लिए नए नियम और नीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सतत और समावेशी विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। सम्मेलन में चार अध्यक्षों और 25 स्पीकरों सहित 42 पीठासीन अधिकारियों ने अपने प्रमुख सचिवों व सचिवों और उनके साथ आए अधिकारियों के साथ भाग लिया। सम्मेलन का विषय सतत और समावेशी विकास की प्राप्ति में विधायी निकायों की भूमिका था।

50 सेकेंड में आधा...

बार ऐसा काम किया है जो शायद किसी और देश ने नहीं किया। इजरायल और भारत दोनों ही उन लोगों से परेशान है जो आतंकवादियों का मानवाधिकार ढूंढ़ लाते हैं। देश विरोधी एजेंडा चलाने वाली विदेशी मीडिया के प्रेस फ्रीडम से भी दोनों देश परेशान रहते हैं। लेकिन इजरायल का ये रूप देख मानवाधिकार और प्रेस फ्रीडम की दुहाई देने वाले भी घबरा जाएंगे। इजरायल ने हिजबुल्ला के आतंकियों पर हमला करने से पहले आगाह किया। खुद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैमरे के सामने आकर 50 सेकेंड तक लेबनान की जनता को समझाया कि वो हिजबुल्ला के आतंकियों का साथ न दे। नेतन्याहू ने साफ कहा कि हम आपको पहले ही चेतावनी दे रहे हैं, बाद में मानवाधिकारों की दुहाई मत देना। जराइली सेना ने कहा है कि वह दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में हिजबुल्ला के हथियार भंडारों के खिलाफ हवाई हमले का दायरा बढ़ा रही है। इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि वह दक्षिणी लेबनान में 300 से अधिक स्थलों को निशाना बनाने के बाद, लेबनान की पूर्वी सीमा पर बेका घाटी के क्षेत्रों को शामिल करने के लिए अपने हवाई हमलों का विस्तार कर रही है। हमलों के बाद हजारों लोगों ने दक्षिण लेबनान छोड़ना शुरू कर दिया है। सरकार ने घोषणा की है कि देश के कुछ हिस्सों में स्कूलों को उन नागरिकों के लिए शरण स्थलों के रूप में खोला जाएगा, जो दक्षिणी क्षेत्रों से निकाले गए हैं। देश में स्कूलों को जल्दी बंद कर दिया गया। लोग अपने बच्चों को लेने तुरंत स्कूल पहुंचे। लेबनानी मीडिया के मुताबिक, बेरूत, त्रिपोली, पूर्वी और दक्षिणी लेबनान में इमारतों को विस्थापित लोगों के लिए खोला जा रहा है। पर्यावरण मंत्री नासिर यासीन ने बताया कि माउंट लेबनान, सैदा में भी स्कूल खोले गए हैं।

आंध प्रदेश में ...

बीच झगड़े का परिणाम है। पुलिस के अनुसार, इस रथ को सार्वजनिक स्थान पर रखने को लेकर विवाद हो गया और दानकर्ताओं को इसे अपने घर में रखने को कहा गया था। जगदीश ने बताया कि बातचीत के बाद रथ को खड़ा करने के लिए एक शेड बनाने पर सहमति बनी थी, लेकिन मंगलवार सुबह अज्ञात व्यक्तियों ने रथ में आग लगा दी। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना को संज्ञान लेते हुए अपराधियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दिया है।

बिहार : नदी में ...

बैठा की 18 वर्षीय पुत्री रीमा कुमारी के रूप में हुई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में फिलहाल कोई बयान नहीं दिया है। दूसरी घटना मुंगरे की है। यहां गंगा में आए बाढ़ के पानी में बच्चों और युवाओं की मौज-मस्ती भारी पड़ गयी। दो अलग-अलग जगहों पर पानी में तीन लड़के डूब गए। गोताखोर शवों को तलाश रहे हैं लेकिन अबतक सफलता नहीं मिली है। जिले में बरियारपुर प्रखंड के बरियारपुर खड़गपुर मार्ग में साधु बाबा थान के समीप दो छात्रों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान असरगंज माल खानपुर निवासी बब्लू पासवान के 14 वर्षीय बेटा चाहत कुमार और लोहचि नाकी निवासी बालेश्वर पासवान के 14 साल के बेटे मुकुंद कुमार के रूप में हुई है। दोनों दसवीं के छात्र थे। एक अन्य घटनाक्रम में मुंगेर के काशीम बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सोझी घाट पर दो दोस्त गंगा स्नान कर रहे थे। एक दोस्त किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल गया लेकिन दूसरा तेज धार में बह गया। खोजबीन कराई गई लेकिन युवक का कही पता नहीं चला। युवक अपने दोस्त के परिवार के साथ बेगूसराय से मुंगेर पूजा पाठ करने आया था, जहां स्नान करने के दौरान ही यह हादसा हो गया।

आकाशवाणी गुवाहाटी ने छात्रों के बीच मनाया स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। क्षेत्रीय समाचार इकाई (आरएनयू), आकाशवाणी गुवाहाटी ने आज कामरूप जिले के गोरोइमारी में एफए अहमद कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा के राष्ट्रव्यापी अभियान के अवसर पर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान स्वच्छता और सफाई के लिए मनाया जा रहा है, जिसकी थीम है-स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता। आरएनयू ने दैनिक जीवन में सफाई और सफाई के महत्व के बारे में छात्र समुदाय को जागरूक और संवेदनशील बनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रधानाचार्य डॉ. अब्दुल अवाल ने छात्रों और शिक्षकों के फायदे के लिए कॉलेज में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आकाशवाणी समाचार, गुवाहाटी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में शरीफुल इस्लाम और सादिकुल इस्लाम ने प्रथम पुरस्कार जीता जबकि शाहनूर आलम और गायत्री कलिता ने दूसरा पुरस्कार जीता और शाहनूर अल अमन और मोस्लेम अली ने तीसरा पुरस्कार जीता। विजेताओं को पुरस्कार के रूप में रेडियो सेट, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र दिए गए। क्विज का संचालन क्विज मास्टर नबाकांत बैश्य ने किया। इस अवसर पर कॉलेज ने एनएसएस प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में आरएनयू, गुवाहाटी के मानस प्रतिम शर्मा और अमीनुल हक जवादर भी शामिल हुए।

राज्य सरकार तीन लाख 23 हजार 640 छात्रों को प्रदान करेगी साइकिल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार राज्य के 3 लाख 23 हजार 640 नौवीं कक्षा के छात्रों को साइकिल प्रदान करेगी। सरकार ने आज ही इसके लिए आवश्यक धन आवंटित किया है। यह निर्णय आज राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की साप्ताहिक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। राज्य सरकार के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने आज लोकसेवा भवन में हुई कैबिनेट बैठक कैबिनेट के अंत में कैबिनेट बैठक के निर्णयों की मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने नौवीं कक्षा के 3 लाख 23 हजार 640 छात्रों को साइकिल उपलब्ध कराने के लिए 148.55 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इस फंड का उपयोग नौवीं कक्षा के छात्रों को साइकिलें प्रदान करने के लिए किया जाएगा। कैबिनेट ने ग्वालपाड़ा के रास्ते अजरा-कामाख्या दोहरी रेलवे लाइन के लिए रेलवे विभाग को जमीन भी आवंटित की। कैबिनेट ने दोहरी लाइन के लिए रेलवे विभाग को जालुकबारी मौजा में 7 बीघे और चकरदाई मौजा में 1 बीघे जमीन आवंटित की है। कैबिनेट ने आज हाजो, माजुली और टिंगखांग में निर्माणाधीन पॉलिटेक्निक के लिए 150 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी को फिर से मान्य कर

दिया। कैबिनेट ने असम के विभिन्न इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में रिक्त पदों को भरने के लिए 451 अंशकालिक संकाय की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। इसके अलावा कैबिनेट में लिए अन्य निर्णयों की भी उन्होंने जानकारी दी।

तामुलपुर में सहकारी संगोष्ठी और प्रदर्शनी का आयोजन

तामुलपुर (हिंस)। सहकारी विभाग द्वारा आज तामुलपुर में सहकारिता प्रदर्शनी सह संगोष्ठी-2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन तमुलपुर के एडीसी डॉ. दिपांकर नाथ ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. नाथ ने क्षेत्र में सहकारी समितियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि इसके जरिए एक आर्थिक क्रांति लाई जा सके। संगोष्ठी में भाग लेते हुए, असम वेनिला प्लांटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिगंत गोगोई ने वेनिला की खेती की आकर्षक संभावनाओं पर प्रकाश डाला और इसके उच्च लाभ और सतत प्रकृति पर जोर दिया। एएमपीपीसीएल, एनएसपीडीटी, असम में परियोजना संचालन प्रभारी डॉ. रंजन नेओग ने मुर्गी पालन की संभावनाओं और इसकी आय

सृजन और पोषण सुरक्षा में सुधार की क्षमता पर चर्चा की। असम मोती विकास सहकारी समिति के उपाध्यक्ष रूलन हजारिका ने मोती की खेती के अवसरों और लाभों पर प्रकाश डाला। प्रसिद्ध किसान और उद्यमी अकबर अली अहमद ने ड्रैगन फ्रूट की खेती में अपने अनुभव साझा किए और दूसरों को इस लाभदायक व्यवसाय को अपनाने के लिए प्रेरित किया। बाक्सा के कृषि विकास अधिकारी डॉ. धृतिरंजन रॉय ने वैज्ञानिक खेती के महत्व और क्षेत्रीय विकास में सहकारी समितियों की भूमिका पर जोर दिया।

मानस राष्ट्रीय उद्यान में विश्व पर्यटन दिवस-2024 मनाया जाएगा

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। असम सरकार का पर्यटन विभाग बोड़ोलैंड पर्यटन के साथ साझेदारी में 27 सितंबर को बांसबाड़ी, मानस राष्ट्रीय उद्यान, बक्सा में विश्व पर्यटन दिवस 2024 का भव्य समारोह आयोजित करने जा रहा है। इस वर्ष *पर्यटन और शांति* थीम पर आयोजित होने वाले इस समारोह में पूरे दिन की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना और शांति को बढ़ावा देना है। पर्यटन, पीएचई आदि मंत्री जयंत मल्लाबरुआ मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे, जबकि बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। दिन की शुरुआत सुबह 6 बजे साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर की जाएगी, इसके बाद बांसबाड़ी गेस्ट हाउस में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद प्रतिभागी सुबह 9 से 11 बजे तक चलने वाले मनोरम मानस नदी के किनारे रोमांचक राफ्टिंग अभियान के लिए मोथांगुरी जाएंगे। इसके बाद *पर्यटन और शांति* विषय पर कार्यशाला होगी, जिसमें बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में शांति और विकास को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका पर चर्चा की जाएगी। दो घंटे का यह सत्र उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों के बीच सार्थक संवाद का अवसर प्रदान करेगा। दिन का कार्यक्रम दोपहर 3 बजे खुले सत्र के उद्घाटन के साथ जारी रहेगा, जिसके बाद शाम 4:30 बजे एक सांस्कृतिक संध्या होगी, जिसमें बोड़ोलैंड की जीवंत परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया जाएगा। मानस राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष के उत्सव का उद्देश्य बोड़ोलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करना है, साथ ही शांति, समावेशिता और सतत विकास को बढ़ावा देने में पर्यटन की शक्ति को रेखांकित करना है।

उत्तर रंगिया छात्र संघ का विशेष अभिनंदन कार्यक्रम संपन्न

रंगिया (विभास)। उत्तर रंगिया क्षेत्र में हाईस्कूल मैट्रिक परीक्षा और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में गौरव अर्जित करने वाले सभी उत्कृष्ट छात्रों और छात्राओं का अभिनंदन किया गया। आरिमत्तों विद्यापीठ हाई स्कूल के सभागार में आयोजित एक विशेष अभिनंदन समारोह में 40 छात्रों को सम्मानित किया गया। उत्तर रंगिया छात्र संघ के अध्यक्ष सपन कलिता की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष सम्मान समारोह का शुभारंभ कर आरिमत्तों विद्यापीठ हाई स्कूल के प्रधानाचार्य नयन ज्योति दास ने उपस्थित छात्र छात्राओं को कहा कि अभिनंदन ग्रहण करने से छात्रों की जिम्मेदारियां समाप्त नहीं हो जाती बल्कि सभी को समाज एवं जातीय जीवन के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। उन्होंने छात्र छात्राओं को कहा कि प्रतियोगिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सभी विद्यार्थियों

का उद्देश्य समर्पण, एकता और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ना है। वहीं अभिनंदन समारोह में उपस्थित कामरूप जिला छात्र संघ के मुख्य सचिव तौफीकुर रहमान ने सभी छात्रों से सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छात्र न केवल पाठ्यपुस्तकों की शिक्षा के लिए बल्कि समाज की भलाई के लिए भी जिम्मेदार होना चाहिए। छात्र छात्राओं को केवल सरकारी नौकरी की उम्मीद न कर स्व-रोजगार मुखी होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल के सहायक शिक्षक नुरुल अमीन ने कहा कि छात्र छात्राएं अच्छी शिक्षा प्राप्त करें ताकि वे सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनें और अपने माता पिता को वृद्धाश्रम में न छोड़े। उन्होंने कहा कि सिर्फ नंबर हासिल करना ही किसी छात्र की योग्यता का पैमाना नहीं है। सम्मान समारोह के बाद उत्तर रंगिया छात्र संघ का वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। रंगिया आंचलिक छात्र संघ के सचिव नवज्योति कुमार द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में कंकन कलिता को अध्यक्ष, सकील अहमद को महासचिव, अस्माउन हुस्ना बेगम को शिक्षा सचिव, बिलकिस बेगम को वित्त सचिव के रूप में लेते हुए 35 सदस्यों की एक कार्यवाहक समिति का गठन किया गया। समारोह में कामरूप जिला छात्र संघ के कार्यालय सचिव बुबुल अली, कार्यकारी सदस्य श्यामंत कलिता, राजकुमार कलिता, पूर्व छात्र नेता न्यूटन कलिता उपस्थित रहे।

छठी वाहिनी, एसएसबी रानीघुली ने मनाया अपना 59वां स्थापना दिवस समारोह

कोकराझाड़। छठी वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, रानीघुली ने 23 सितंबर 2024 को अपने वाहिनी मुख्यालय में 59वे स्थापना दिवस को बड़े ही उत्साह और धुमधाम से मनाया। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) फ्रंटियर मुख्यालय तेजपुर के महानिरीक्षक बिनोद नायक की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ एसएसबी फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा, सेक्टर बंगाईगांव के उप महानिरीक्षक अमित कमार ठाकर, 31वीं वाहिनी के कमांडेंट चिरंजीब भटटाचार्य और फ्रंटियर तेजपुर के उप कमांडेंट दयानंद झा भी मौजद रहे। सभी अतिथिओं का स्वागत और सम्मान छठी वाहिनी के मौजुदा कार्यवाहक कमांडेट संजीव कुमार उप कमांडेट द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने संबोधन में वाहिनी के समर्पण और सेवा भावना की सराहना की एवं अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों, जिन्हें संयुक्त रूप से संदीक्षा परिवार के नाम से जाना जाता है, को 59 वे स्थापना दिवस के उपलक्ष में अपना आशीर्वाद दिया। उनकी उपस्थिति ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया, जिससे कर्तव्य, प्रतिबद्धता और दृढता के मूल्यों को बल मिला, जिसका यह

वाहिनी प्रतीक है। इस उत्सव को रंगारंग विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैस बागुरुम्बा नृत्य, बिहू नृत्य, लद्दाखी नत्य के द्वारा किया गया, जिसमें वाहिनी के बल सदस्यों और उनके परिवारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों ने क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को उजागर किया और उपस्थित सभी लोगों में एकता और सौहार्द की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियो के पूरस्कार वितरण के साथ हुआ। अंत में नरेंद्र सोपन कटे, उप कमांडेंट ने सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रषित किया। यह स्थापना दिवस छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, की गौरवशाली यात्रा का एक और मील का पत्थर है, जो अपने सेवा, सुरक्षा और बंधुत्व के आदर्श वाक्य को बनाए रखते हुए राष्ट्र की सुरक्षा और उन्नति में निरंतर योगदान दे रही है।

आरएसएस के जिला पितामह स्वर्गीय नीतीश चंद्र शर्मा की स्मृति में व्याख्यानमाला

रंगिया (विभास)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कामरूप जिले के पितामह स्वरूप, संघ के समर्पित सेवक, जिला के पूर्व संघ चालक और तुलसीबाड़ी बहुमुखी उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य स्वर्गीय नीतीश चंद्र शर्मा की पुण्य तिथि पर रंगिया में पिछले वर्ष की तरह इसवर्ष द्वितीय वार्षिक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन आगामी 29 सितंबर, रविवार को रंगिया के बीचों बीच स्थित ऐतिहासिक हरदत्त बीरदत्त भवन प्रांगण में किया जाएगा। बताया गया है उपरोक्त व्याख्यान कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ असम क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख शंकर दास उपस्थित रहकर *नागरिकों के कर्तव्य* शीर्षक विषय पर व्याख्यान देंगे। साथ ही आयोजन के संयोजन में स्वर्गीय नीतीश चंद्र शर्मा के जीवन, कार्यों और महान आदर्शों को जीवित रखने के लिए एक स्मृति पुस्तक का भी विमोचन किया जाएगा।

कावेरी अस्पताल ने जीवन रक्षक पल्मोनरी एंडार्टेरेक्टॉमी की

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। अफ्रीका के 27 वर्षीय मरीज ने चेन्नई के वाडापलानी स्थित कावेरी अस्पताल में एक दुर्लभ और जानलेवा फुफ्फुसीय स्थिति के लिए जटिल शल्य चिकित्सा उपचार करवाया है। उसके लक्षणों और जांचों से क्रॉनिक थ्रोम्बोम्बोलिक पल्मोनरी हाइपरटेंशन नामक एक गंभीर स्थिति का पता चला-एक ऐसी स्थिति जिसमें फेफड़ों की धमनियों में उच्च रक्तचाप होता है और निचले अंगों या श्रोणी में गहरी नसों से रक्त के थक्के बनते हैं। ये रक्त के थक्के शिरापरक प्रणाली में फेफड़ों की धमनियों में फैल सकते हैं और यात्रा कर सकते हैं। यदि रक्त के थक्के अवशोषित नहीं होते हैं तो वे निशान ऊतक में बदल जाते हैं और दोनों फेफड़ों को आपूर्ति करने वाली धमनी शाखाओं को संकुचित या अवरुद्ध कर देते हैं। विकसित होने का जोखिम विलंबित या कम थक्कारोधी, फुफ्फुसीय अंत:शल्यता के बार-बार होने वाले एपिसोड या थक्के बनने की आनुवंशिक संवेदनशीलता वाले कुछ रोगियों में अधिक होता है। सीटीईपीएच स्थापित होने के बाद, औसत जीवन प्रत्याशा तीन साल से कम है। उनकी चिकित्सा स्थिति में लगातार गिरावट के साथ, उनके फेफड़ों की धमनियों में दबाव सामान्य से चार गुना अधिक था। फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के इस स्तर पर, हृदय का दाहिना हिस्सा फेफड़ों में पर्याप्त रक्त पंप करने के लिए संघर्ष करना शुरू कर देता है। घटनाओं के एक उल्लेखनीय मोड़ में, कावेरी अस्पताल, वडापलानी में कार्डियोवैस्कुलर और थोरैसिक सर्जरी (सीवीटीएस) कार्यक्रम के निदेशक डॉ. कुमुद कुमार धीतल के नेतृत्व में एक बहु-विषयक टीम ने इस स्थिति के लिए एकमात्र उपचारात्मक चिकित्सा की पेशकश करके रोगी के जीवन को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया। इस प्रक्रिया में सामान्य एनेस्थीसिया, हृदय-फेफड़े की मशीन पर रखना, शरीर को 20 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करना और फिर 20 मिनट की संक्षिप्त अवधि के लिए शरीर में सभी रक्त परिसंचरण को रोकना शामिल है ताकि शल्य चिकित्सा द्वारा फेफड़ों की धमनियों के भीतर से पुराने निशान ऊतक को देखा और सावधानीपूर्वक निकाला जा सके। प्रक्रिया के अंत में फुफ्फुसीय दबाव सामान्य सीमा के भीतर कम हो गया था। मरीज को गहन चिकित्सा इकाई में कम से कम समय बिताना पड़ा, उसके बाद उसे नियमित वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। उसे पहले से ही अपने लक्षणों और व्यायाम क्षमता में उल्लेखनीय सुधार महसूस हो रहा है। अब वह जीवन की सामान्य गुणवत्ता की उम्मीद कर सकता है, सिवाय इसके कि उसे आजीवन एंटीकोएग्यूलेशन थेरेपी पर रहना होगा।

रंगिया : असम लेखिका समाज की जिला इकाई का वार्षिकोत्सव संपन्न

रंगिया (विभास)। असम लेखिका समाज कामरूप जिला समिति का वार्षिकोत्सव रविवार को रंगिया के सेप्टी स्थित जल सिंचाई विभाग के परिदर्शन बांग्ला में एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के तहत एक आम सभा आयोजित की गई। जिसका शुभारंभ संगठन के कामरूप जिला समिति की अध्यक्षा सविता बर्मन मजूमदार द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। वहीं असम लेखिका समाज की अध्यक्षा पदुमी गोगोई की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दिनमणि भंडार कायस्थ, सेवानिवृत अध्यापक पविन कलिता, रंगिया के महकमाधिपति देवाशीष गोस्वामी सहित बहुत से गणमान्य लोगों ने भाग लिया। नारी का अधिकार, उत्तरण लेखिका समाज द्वारा समाज के प्रति दिए गए योगदान आदि के बारे में उपस्थित लोगों द्वारा मूल्यवान भाषण दिए गए। दूसरी ओर बैठक में स्मृति ग्रंथ जिकेरिर के साथ गोल्पोर आरे आरे शीर्षक ग्रंथ का विमोचन किया गया। बैठक में आयोजित सत्रिया नृत्य, बिहू नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हेरोइन के साथ एक युवक गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के दक्षिण कामरूप के गोवर्धन में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 10 लाख रुपए से अधिक मूल्य की अवैध ड्रग्स बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि कामरूप जिले के पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां के नेतृत्व में यह अभियान गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गया था। गिरफ्तार युवक की पहचान धुबड़ी जिलांतर्गत महामाया चर (नदी का छाड़न वाला क्षेत्र) निवासी जियारुल इस्लाम के रूप में की गई है। उसे हेरोइन के साथ उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह छयगांव में गुमी की ओर जाने की कोशिश कर रहा था। जियारुल के पास से मादक पदार्थ से भरी हुई 14 साबुनदानी बरामद की गई। गिरफ्तार जियारुल से फिलहाल छयगांव पुलिस स्टेशन में पूछताछ की जा रही है।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, मणिपुर ईकाई ने अपनी तृतीय ऑनलाईन काव्य-गोष्ठी संपन्न की

मणिपुर/ विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, मणिपुर ईकाई ने ऑनलाइन द्वारा कल काव्य-गोष्ठी संपन्न की। संपन्न काव्य-गोष्ठी में विजय मोहन सिंह, प्रभारी, वरिष्ठ नागरिक काव्य-मंच, दक्षिण प्रांत मुख्य अतिथि, वरिष्ठ नागरिक काव्य-मंच, असम ईकाई की अध्यक्षा श्रीमती आभा कुमारी चौधरी एवं श्री विशाल केशी *सैनिक कवि* विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहें। गोर्खा ज्योति पत्रिका के संयोजक डॉ. सीताराम अधिकारी कार्यक्रम में मुख्य-वक्ता के रूप में उपस्थित रहकर मणिपुर ईकाई का हौसला बढ़ाया। वही कार्यक्रम में डॉ. गोमा अधिकारी, वनकाम राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्वोत्तर वनकाम अध्यक्षा एवं श्रीमती सीता देवी क्षेत्री, वनकाम मणिपुर ईकाई संरक्षिका ने भी अपनी उपस्थिति देकर सभी कवियों का उत्साहवर्धन किया। गोष्ठी शुभारम्भ मणिपुर की नवोदित कवयित्री सुश्री सविना दहाल की सरस्वती वंदना पाठ से आरंभ हुई। तत्पश्चात् ईकाई के सचिव श्री सुमित प्रधान के स्वागत भाषण दिया। काव्य-गोष्ठी में मणिपुर, असम और बैंगलोर से

भाग लेने वाले 12 कवि एवं कवयित्रियों ने अपने स्वरचित कविता पाठ कर मंच को साहित्यिक रस से सींच दिया। कविता वाचन के क्रम में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने रसीलें और रूमानी कविताओं से कार्यक्रम में चार-चांद लगा दिएं। अन्य कवि श्रीमती सीता देवी क्षेत्री, सुश्री सबिना दाहल, इंद्र बहादुर छेत्री, सुमित प्रधान, मणिपुर ईकाई के अध्यक्ष हर्कबहादुर लामगादे ने भी अपनी-अपनी कविता पाठ कर काव्य-गोष्ठी को सफल बनाया। मुख्य अथिति के भाषण पश्चात डॉ. गोमा अधिकारी ने प्रत्येक कवियों के कविताओं पर संक्षिप्त समीक्षा कर सबको प्रोत्साहन किया। वहीं सैनिक कवि ने अपने वक्तव्य में नवोदित कवियों का उत्साहवर्धन करते हुए लेखन में निरंतरता लाने का सलाह-मशवरा दिया। वनकाम, मणिपुर ईकाई अध्यक्ष, हर्कबहादुर लामगादे, *रोहित* ने अंत में अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं मंच पर उपस्थित साहित्यिक अनुरागियों का विशेष धन्यवाद प्रकट किया। वनकाम मणिपुर ईकाई के महासचिव श्री रोशन दियाली ने अंत में कविता पाठ की। कवि-गोष्ठी ऑनलाईन गुगल मीट पर हुई जिसका संयोजन एवं संचालन रोशन दियाली ने की।

संपादकीय

संघर्ष को गलत आयाम न दें

यह सदी जब लिखी जाएगी, मेरी कलम काम नहीं आएगी। मैं समाज हूं, मैं मौन हूं। मेरी हिम्मत के लकवों की पीड़ा, मेरा धर्म मेरे एहसास का बीड़ा उठा रहा है। अचानक हम आंदोलन की राह पर अपने कुनबों से बाहर, आग का कुनबा बना रहे हैं। हमारे बीच जो जाग रहा, उस सहारे की जरूरत क्यों पड़ी। हिमाचल में आपसी भाईचारे की मोमबत्तियां बुझ गईं, लेकिन किसी 'बंद' में मशालें उभर आईं। संजौली घटनाक्रम की तह में जितना भी बारूद था, बिखर गया। उसे हम हिमाचल के हर शहर और हर कस्बे में देख सकते हैं, हमने यह आंदोलन करना भी सीख लिया। अब देखना यह है कि इस गति समाज की प्रगति किस दिशा में होती है और हिमाचल में 98 फीसदी हिंदू बहुसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किसे खदेड़ा जाता है। परिणाम आने लगे और बहुत कुछ जमींदोज होने लगा है। हमीरपुर के एक मॉल का बाजार बंद करवाना हमारी शक्ति है और अगर आंदोलन का यही सलीका काम आया तो प्रदेश के प्रत्येक बाजार से कोई तो 'दुश्मन' निकाला जाएगा। •हर सोशल मीडिया का, कहर बन टूटे इस आलम में राजनीतिक हड्डियां संगठित हैं। कल आपको दर्जी-धोबी न मिले, भवन निर्माण को हाथ न मिले, आप अपने आज से सारी लाली निकाल दें, जुबान को विद्वेष से भर दें, ताकि सनद रहे कि कोई लड़ा था इस देश की मिट्टी को लाल करने को फिर इतिहास का दामन था। जरा सोचें कि हिमाचल किस दिशा में चल रहा और बंद की आड़ में हमारे संघर्ष की निशानियों का कब्रिस्तान कहां बनेगा। बेशक हमें अवांछित तत्वों को बाहर करना होगा, लेकिन इस हल्ले की गुल्लक में मवाद भरा है। यह कानून-व्यवस्था की शिकायत हो सकती है, लेकिन हमने शिकायत के लिए मजहब का तंबू लगा लिया। जाहिर है हिमाचल में जो हिंदुत्व बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय भी यहां नहीं आया, वह संजौली मस्जिद के कारनामे से आ गया। जो हिंदुत्व तत्कालीन शांता सरकार की बर्खास्तगी पर भी नहीं आया, वह अब सुक्खू सरकार को चुनौती दे रहा है। यह आंदोलन सरकार को परीक्षा में डाल चुका है, लेकिन हिमाचली समाज के वैचारिक विमर्श में कहीं तो इससे फासले हैं और रहेंगे। निश्चित रूप से आंदोलन की पृष्ठभूमि में मसले रहे हैं और हिमाचल के परिदृश्य में आ रहे आर्थिक, सांस्कृतिक व सामाजिक बदलाव भी इनके लिए जिम्मेदार माने जाएंगे। जो प्रदेश अपने गांव की आर्थिकी से विमुख हो गया और जहां का खेत रोटी नहीं उगा पाता, उसके लिए ये परिस्थितियां स्वाभाविक हैं कि हर वस्तु और मानव संसाधन का आयात करें। जिस प्रदेश के कायदे-कानून औपचारिक हो जाएं और जहां थाने में रपट भी सरकारी हो जाए, वहां के हर पहलू को सियासत से बचाना मुश्किल है। क्या आप बता सकते हैं कि पर्यटकों की भीड़ बनकर कौन कहां घूम रहा है। क्या कोई पद्धति बनी कि हर आगंतुक का पंजीकरण हो सके। हिमाचल के संघर्ष को गलत नाम और गलत आयाम देकर हम देश की सद्भावना से दूर हो जाएंगे और इससे हमारी आर्थिक संभावना भी क्षीण हो जाएगी। पिछले दिनों डलहौजी में पर्यटक से हुई बदसलूकी और भागसूनाग में हाथापाई से मौत के अंजाम तक पहुंचे सैलानी की घटना ने अंतरराज्यीय टैक्सी उद्योग के नीचे विद्वेष की अंगीठी जला दी थी। अगर सेब उत्पादन से बाहरी लोग किनारा कर लेंगे, तो इस तिलांजलि का श्रेय किसे देंगे। हम जिन वस्त्रों से खुद को ढांप कर निर्वस्त्र होने से बचते हैं, वहां जरूरी नहीं कि इसके ताने-बाने में कोई अपना ही धर्म होगा। संघर्ष करना ही है तो शाहपुर बाजार को बचाने में करो जहां से गुजर कर फोरलेन बसी बसायी आर्थिकी उजाड़ देगा। पंजाब पुनर्गठन के 7.19 प्रतिशत के हिस्से की मांग में आओ चलें चंडीगढ़ के दो सेक्टर मांग लें। मांग लें वाटर सैस और वन संपत्तियों के कब्जे में आ गए हिमाचल की आर्थिक भरपाई का कोई अधिकार।

अचानक हम आंदोलन की राह पर अपने कुनबों से बाहर, आग का कुनबा बना रहे हैं। हमारे बीच जो जाग रहा, उस सहारे की जरूरत क्यों पड़ी। हिमाचल में आपसी भाईचारे की मोमबत्तियां बुझ गईं, लेकिन किसी 'बंद' में मशालें उभर आईं। संजौली घटनाक्रम की तह में जितना भी बारूद था, बिखर गया। उसे हम हिमाचल के हर शहर और हर कस्बे में देख सकते हैं, हमने यह आंदोलन करना भी सीख लिया। अब देखना यह है कि इस गति समाज की प्रगति किस दिशा में होती है और हिमाचल में 98 फीसदी हिंदू बहुसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किसे खदेड़ा जाता है। परिणाम आने लगे और बहुत कुछ जमींदोज होने लगा है। हमीरपुर के एक मॉल का बाजार बंद करवाना हमारी शक्ति है और अगर आंदोलन का यही सलीका काम आया तो प्रदेश के प्रत्येक बाजार से कोई तो 'दुश्मन' निकाला जाएगा। •हर सोशल मीडिया का, कहर बन टूटे इस आलम में राजनीतिक हड्डियां संगठित हैं। कल आपको दर्जी-धोबी न मिले, भवन निर्माण को हाथ न मिले, आप अपने आज से सारी लाली निकाल दें, जुबान को विद्वेष से भर दें, ताकि सनद रहे कि कोई लड़ा था इस देश की मिट्टी को लाल करने को फिर इतिहास का दामन था।

योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

ललित गर्ग

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध

हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था।

बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है। शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है।

दृष्टि कोण

श्राद्ध की परंपरा और आधुनिक युग

श्राद्ध हिंदू धर्म की एक महत्वपूर्ण और पवित्र परंपरा है, जिसका संबंध पितरों, यानी हमारे पूर्वजों की आत्मा की शांति और तृप्ति से है। श्राद्ध का मूल उद्देश्य उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना है जिन्होंने हमारे जीवन में किसी न किसी रूप में योगदान दिया है। यह एक धार्मिक और आध्यात्मिक कर्तव्य है, जो न केवल आत्मा की तृप्ति के लिए बल्कि जीवित व्यक्तियों के बीच पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने के लिए किया जाता है। श्राद्ध की परंपरा का प्रारंभिक उल्लेख वेदों और पुराणों में मिलता है जहां इसे एक महत्वपूर्ण धार्मिक क्रिया के रूप में वर्णित किया गया है। ऋग्वेद और महाभारत जैसे ग्रंथों में इसका विशेष महत्व बताया गया है, जहां पूर्वजों के लिए तर्पण और पिंडदान करने का प्रावधान है। यह प्रक्रिया पितृ पक्ष के दौरान की जाती है, जो भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष में आता है और इस दौरान पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मणों को भोजन कराने की परंपरा निभाई जाती है। श्राद्ध को करने के लिए विशेष विधियां होती हैं, जिनमें पवित्र स्थानों पर जाकर अनुष्ठान करना और धार्मिक अनुशासन का पालन करना शामिल है। यह अनुष्ठान पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक माध्यम है और इसे श्रद्धा और आस्था के साथ करना आवश्यक माना जाता है। इसके साथ ही श्राद्ध में ब्राह्मणों को भोजन कराना और दान देना भी अनिवार्य माना गया है, ताकि पूर्वजों की आत्मा को तृप्ति मिल सके। पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म को विशेष रूप से महत्व दिया जाता है क्योंकि यह समय पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। पिंडदान, तर्पण और आहुति के साथ, श्राद्ध को पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ किया जाना चाहिए, तभी इसका उद्देश्य सफल होता है। श्राद्ध का मूल उद्देश्य अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करना है, न कि आडंबर और दिखावे में लिप्त होना। यह आवश्यक नहीं कि श्राद्ध के दौरान भारी खर्च किया जाए या भव्य आयोजन हो। व्यक्ति अपनी सामथ्र्य और साधनों के अनुसार ही श्राद्ध कर्म कर सकता है। छोटे से छोटे संसाधनों और सादगी से किया गया श्राद्ध भी उतना ही पवित्र और फलदायी होता है, जब उसमें सच्ची श्रद्धा हो। महत्त्वपूर्ण यह है कि आस्था और प्रेमपूर्वक पितरों का स्मरण हो, जिससे वे संतुष्ट हो सकें और उनकी आत्मा को शांति प्राप्त हो। आधुनिकता के इस युग में, जब लोग तेजी से बदलती जीवनशैली और सामाजिक परिवर्तनों के बीच व्यस्त हो गए हैं, श्राद्ध की यह परंपरा कहीं न कहीं धुंधली होती जा रही है। कई लोगों के लिए श्राद्ध अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है, जो परिवार के बुजुर्गों के दबाव में निभाया जाता है। कुछ लोग इसे पूरी तरह से छोड़ चुके हैं, जबकि कुछ लोग इसे अब भी निभाते हैं, लेकिन वह श्रद्धा और समर्पण के साथ नहीं, जो पहले हुआ करता था। इस स्थिति के कई कारण हो सकते हैं। शहरीकरण और व्यस्त जीवनशैली के चलते अब लोग धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उतना समय नहीं निकाल पाते जितना पहले होता था। इसके अलावा आधुनिक विज्ञान और तार्किकता के प्रसार ने लोगों को धार्मिक क्रियाओं पर सवाल उठाने की प्रवृत्ति दी है, जिससे कई लोगों को श्राद्ध जैसे अनुष्ठान पुराने रीति-रिवाजों का प्रतीक लगने लगे हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि पारिवारिक ढांचे में हुए बदलावों ने भी श्राद्ध की परंपरा को कमजोर किया है। पहले जहां संयुक्त परिवार होते थे, अब परिवार छोटे हो गए हैं, और पितरों के प्रति कर्तव्य की भावना भी उसी अनुपात में कमजोर हो गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण सामाजिक दबाव है। आधुनिक समाज में कई लोग श्राद्ध को अंधविश्वास मानते हैं और इसे एक पुरानी प्रथा मानकर छोडऩे की प्रवृत्ति रखने लगे हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि नई पीढ़ी में श्राद्ध के प्रति आस्था और श्रद्धा का अभाव दिखाई देने लगा है। यह स्थिति केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में भी देखी जा रही है। श्राद्ध जैसी परंपराएं जो कभी हर परिवार का हिस्सा हुआ करती थीं, अब केवल कुछ विशेष परिवारों या लोगों द्वारा ही निभाई जा रही हैं। यह भी देखने में आ रहा है कि जिन परिवारों में श्राद्ध होता भी है, वहां भी इसका महत्त्व कम हो गया है। लोग इसे केवल एक धार्मिक कर्तव्य मानकर करते हैं, न कि आत्मीयता और कृतज्ञता के भाव से। इस बदलते परिवेश में श्राद्ध की प्राचीन परंपराएं कहीं खोती जा रही हैं। आधुनिकता और विज्ञान के इस युग में जहां हर चीज का मूल्यांकन तार्किक दृष्टिकोण से किया जाता है, वहां श्राद्ध जैसे धार्मिक अनुष्ठान को फिर से महत्व देने की आवश्यकता है। श्राद्ध केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि यह पूर्वजों के प्रति हमारी कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का एक तरीका है।

कुछ अलग

चालान भरने का सुख

हवा में लटके हुए विकास की सडक़ों पर यात्रा करने, ख़ासकर गाड़ी चलाने का अपना ही आनंद है। इसी विकास का सुख लेते हुए झुन्नू लाल मटौर से शिमला नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन फोरलेन पर अपनी कार को तांगे की जिस गति से दौड़ा रहे थे, उससे शायद शोले की बसंती और धन्नो भी शरमा जातीं। समय का डाकू उनके पीछे हाथ धो के पड़ा था। बेचारे एक गड्ढे से दाएं टायर को बचाते तो बायां टायर गड्ढे में चला जाता। बायां बचाते तो धड़ की आवाज़ करता हुआ दायां टायर उफ-उफ कर उठता। मुख्यमंत्री से किताबों के विमोचन का समय मिलने के बाद अपने को सौभाग्यशाली मानते हुए झुन्नू जी सोच रहे थे कि जितनी जल्दी शिमला पहुंचे, उतना बेहतर। किताबों से नेताओं का नाता अभी पूरी तरह टूटा नहीं था। कहीं आगे-पीछे हुए तो न जाने उनके कार्यालय में कितनी देर इंतज़ार करना पड़े। फिर हीरा नगर से लेकर सचिवालय तक का चींटियों वाला सफर। गाड़ी चलती है न रेंगती है। दोनों ओर लगी लम्बी क़तारों में सरकारी योजनाओं की तरह पहले गियर में चलती हुई गाड़ी दो-चार क़दम चलने के बाद धक्के के साथ रुक जाती है। फिर चलती है, फिर रुकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की तरह। सडक़ के आधे-अधूरे निर्माण के मध्य पहले ही किसी फौजी की तरह सावधान की मुद्रा में तन चुके टोल प्लाजा को देखते हुए झुन्नू जी सोच रहे थे कि अभी भैंस मरी नहीं और खाल उधेडऩे वाले पहले ही औज़ार और नाप लेकर जूते बनाने के लिए तैयार हो चुके हैं। इसी सोच में मगन झुन्नू जी के दोनों टायर एक गड्ढे में धंस गए। घर से नाश्ता कर निकले झुन्नू के पेट में नाश्ता डाली के बंदर की तरह उछल-कूद कर रहा था। उन्हें उबकाइयां आ रही थीं। लेकिन उनकी आंखों में दूसरे दिन अख़बारों में छपने वाले किताबों के विमोचन के फोटो तैर रहे थे, ख़बर के साथ। मुख्यमंत्री के साथ मुस्कुराते किताबें हाथ में पकड़े हुए। सोशल मीडिया पर तैरते चित्र और उसकी तफ़्सील। किताबों के विमोचन के बाद शाम को शिमला में सैर पर निकले प्रसन्नवदन झुन्नू जी सफर और विमोचन के बारे में सोच रहे थे कि अचानक सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से प्राप्त एसएमएस ने उनकी ख़ुशी में विघ्न डाल दिया। गाड़ी के नम्बर साथ ई-चालान का मैसेज था। वह दिमाग़ पर ज़ोर डाल रहे थे कि कहां का चालान होगा। गाड़ी पार्किंग में थी, सीट बैल्ट भी डाली थी। पेपर भी पूरे थे। फिर क्या हुआ होगा। उन्हें यह अंदाज़ा ही नहीं था कि टूटी सडक़ों पर ओवर स्पीड का चालान भी कट सकता है। वह भी पूरे पंद्रह सौ रुपए का। शायद सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिए यही आपदा में अवसर था। विश्व गुरु की यही सोच उसे विश्व पटल पर सशक्त देश बनाने में समर्थ साबित करती थी। मंत्रालय की साईट पर पहुंचने में झुन्नू जी को उतना ही समय लगा जितना आम आदमी को मंत्रालय के गेट तक पहुंचने में लगता है। उसके बाद भगवान मालिक है। मंत्रालय के भीतर जाने के लिए जुगाड़ और साईट पर आगे बढऩे के लिए नेटवर्क की ज़रूरत है। राजधानी में भी नेटवर्क किसी नौकरशाह के ईमान की तरह आंख-मिचौली कर रहा था। काफी देर कोशिश करने के बाद नाकाम आशिक़ की तरह झुन्नू जी ने नेटवर्क कम्पनी, मंत्रालय और ख़ुद को गालियां देते हुए ई-चालान को अगली सुबह तक टाल दिया।

देश दुनीया से

क्यों जरूरी है नीट?

स्कूली शिक्षा के बाद डाक्टर या इंजीनियर बनें या उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनका स्वप्न होता है कि आईएएस या अन्य सरकारी सेवाओं की परीक्षा उत्तीर्ण करके अपनी जिंदगी में आगे बढ़ें। यह भी सही है कि सभी लोग ये परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं कर पाते, लेकिन यदि व्यवस्था में ईमानदारी ही हो तो कुछ सक्षम विद्यार्थी अवश्य ऐसा कर पाते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) में प्रश्न पत्र लीक होने के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे में कुछ हल्कों से ऐसी भी आवाज उठने लगी है कि नीट की परीक्षा होनी ही नहीं चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग परीक्षार्थियों की ओर से नहीं, बल्कि कुछ राजनेताओं की ओर से उठ रही है।

विद्यार्थियों का सपना होता है कि वे स्कूली शिक्षा के बाद डाक्टर या इंजीनियर बनें या उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनका स्वप्न होता है कि आईएएस या अन्य सरकारी सेवाओं की परीक्षा उत्तीर्ण करके अपनी जिंदगी में आगे बढ़ें। यह भी सही है कि सभी लोग ये परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं कर पाते, लेकिन यदि व्यवस्था में ईमानदारी ही हो तो कुछ सक्षम विद्यार्थी अवश्य ऐसा कर पाते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) में प्रश्न पत्र लीक होने के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। ऐसे में कुछ हल्कों से ऐसी भी आवाज उठने लगी है कि नीट की परीक्षा होनी ही नहीं चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग परीक्षार्थियों की ओर से नहीं, बल्कि कुछ राजनेताओं की ओर से उठ रही है। अब सवाल यह है कि यदि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की व्यवस्था को भंग कर दिया जाता है तो उसके स्थान पर कौनसी व्यवस्था लागू होगी? इसमें यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि नीट की व्यवस्था लागू होने से पहले मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं कैसे होती थी, और उसके क्या गुण-दोष थे? नीट की परीक्षा लागू करने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यदि नीट के स्थान पर पुनः पुरानी व्यवस्था लागू होती है तो उसका मेडिकल कॉलेजों में उम्मीदवारों के भविष्य पर क्या असर पड़ सकता है। केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा ही नहीं, शेष राष्ट्रीय परीक्षाओं, जैसे यूपीएससी परीक्षाओं के भी प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं। यही नहीं, प्रवेश परीक्षाओं के प्रारंभ से ही पेपर लीक होने की छुटपुट घटनाएं पहले भी होती ही रही हैं। ऐसे में नीट परीक्षा में पेपर लीक होने की घटना को आधार बनाकर नीट व्यवस्था को ही भंग करना कितना उचित होगा, इस पर विचार करना जरूरी है। नीट लागू होने से पहले अखिल भारतीय स्तर पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा परीक्षा आयोजित की जाती थी, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और अन्य सरकारी प्राधिकरणों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों के एमबीबीएस एवं बीडीएस डिग्री कोर्सों में प्रवेश हेतु कम से कम 15 प्रतिशत सीटें इस परीक्षा में पास होने वाले विद्यार्थियों के लिए आरक्षित की जाती थी। यह सही है कि कुछ बेईमान तत्वों के कारण नीट और यूपीएससी परीक्षाओं में कुछ स्थानों पर पेपर लीक होने के कारण, विद्यार्थियों को धक्का लगा है। लेकिन इस बात का संज्ञान लेते हुए सरकार और व्यवस्था ने लीक के संभावित स्थानों पर परीक्षा परिणाम स्थगित कर पुर्नपरीक्षा करवाने की कार्यवाही भी की है। यह भी समझना होगा कि सही उम्मीदवारों के चयन की दो विधियां या उनका मिला-जुला रूप होता है। एक है प्रवेश परीक्षा और दूसरा साक्षात्कार। शैक्षिक संस्थानों में चयन के लिए चयन लिखित परीक्षा को ही सही माना जाता रहा है और लंबे समय से देश में सरकारी संस्थानों में तो यही पद्धति अपनायी जाती रही है, चाहे वह राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा हो अथवा प्रांतीय स्तर की। लेकिन निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया हमेशा ही विवाद का विषय रही है। गौरतलब है कि नीट व्यवस्था से पूर्व प्राइवेट मेडिकल और डेंटल कॉलेज स्वयं अथवा अपनी एसोसिएशन के माध्यम से एमबीबीएस, बीडीएस और पोस्ट ग्रेजुएट प्रवेश परीक्षा आयोजित तो करते थे, लेकिन उन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना या न होना सामान्यतः परीक्षार्थी के ज्ञान के आधार पर नहीं, बल्कि कॉलेजों को दी जाने वाली राशि के आधार पर होता था। अनेकानेक एजेंट इस काम में संलग्न रहते थे और एक बड़ी रकम देकर ही कोई विद्यार्थी एमबीबीएस/बीडीएस और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकता था। जाहिर है कि इस प्रकार अपने बच्चों को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश किसी सामान्य अथवा मध्यम वर्ग के अभिभावकों के बूते से बाहर होता था। अधिकांश धनाढय लोग ही इन प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में अपने बच्चों को प्रवेश करा पाते थे। हालांकि इस व्यवस्था में भी कुछ अपवाद हुआ करते थे, जहां मेडिकल कॉलेज अथवा उनकी प्रांतीय एसोसिएशन ईमानदारी से भी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करती थी। इनमें कर्नाटक प्रांत का नाम शामिल किया जाता था। कुछ अपवादों को छोड़ मोटी फीस के अलावा भारी नकद रकम अलग से चुका कर प्राईवेट मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिलता था, तो ऐसे में यह व्यवस्था मेडिकल की पढ़ाई में असमानता का एक बड़ा कारण हुआ करती थी। यही नहीं, मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को विभिन्न कॉलेजों अथवा उनकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिए भारी परीक्षा शुल्क भी जमा करना पड़ता था। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के नियमन में भी भारी धांधलियां चलती थी। ऐसे में हालांकि वर्ष 2012 में सरकार द्वारा अलग-अलग प्रांतों और कॉलेजों के आधार पर विविध प्रकार की परीक्षाओं से निजात पाने के लिए देश में एक साझी परीक्षा आयोजित करने का फैसला लिया गया, जिसके खिलाफ प्राइवेट कॉलेजों के प्रबंधन ने अदालत में आपत्ति दर्ज की। लंबे चले इस मुकदमे में न्यायालय ने अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के प्रबंधन के हित में फैसला देते हुए साझी परीक्षा को यह कहकर निरस्त कर दिया कि यह साझी परीक्षा प्राईवेट कॉलेजों के अधिकारों का उल्लंघन है।

आप का नजरीया

शतरंज के 'राजा-रानी'

शतरंज का जिक्र होते ही महान कथाकार, उपन्यासकार प्रेमचंद की याद ताजा होने लगती है। उनकी प्रख्यात कहानियों में 'शतरंज के खिलाड़ी' भी एक थी, जिस पर फिल्म भी बनाई गई। वह शतरंज वक्तकटी का जरिया थी, लेकिन आज यह पेशेवर खेल है, जो दुनिया भर में खेला जाता है। भारत ने इसी खेल के ओलिंपियाड में नया और स्वर्णिम इतिहास रच दिया। दोहरा स्वर्णिम कीर्तिमान भी स्थापित किया। 1927 में 'चेस ओलिंपियाड' का अधिकृत और वैश्विक सफरनामा शुरू हुआ था। अब 2024 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने सर्वश्रेष्ठ रहते हुए, पहली बार, दोहरे स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। इन मुकाबलों में रूस, चीन, अमरीका, उजबेकिस्तान सरीखे चैम्पियन देश पिछड़ गए और भारतीय खिलाडिय़ों ने सुनहरी इबारत लिख दी। कुल 195 देशों की 197 टीमों और महिलाओं में 181 देशों की टीमों में भारत 'सर्वश्रेष्ठ' रहा। वाह! कमाल है!! इस अभूतपूर्व खेल उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। युवा खिलाडिय़ों ने खेल के साथ-साथ देश का सम्मान भी आसमान तक पहुंचा दिया। अकल्पनीय, अतुलनीय तो यह रहा कि पुरुष टीम और उसके चैम्पियन खिलाड़ी डी. गुकेश 'अजेय' रहे। उन्होंने अधिकतर गेम जीते और एक-दो गेम ड्रा खेलने पड़े। पुरुषों में गुकेश और अर्जुन एरिगैसी, महिलाओं में दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने 'व्यक्तिगत स्वर्ण पदक' भी हासिल किए। भारत में पेशेवर शतरंज खेलना अपेक्षाकृत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन हमारे खिलाड़ी 2014, 2022 में चेस ओलिंपियाड के कांस्य पदक विजेता बनते रहे हैं। चुनौती के स्पष्ट संकेत थे कि भारत एक दिन 'सर्वोच्च' भी हो सकता है। हालांकि तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद पांच बार शतरंज के 'विश्व चैम्पियन' बने और खेल के महानतम खिलाडिय़ों की जमात में शामिल हुए। उनकी विरासत आज गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञाननंदा, विदित गुजराती सरीखे युवा खिलाडिय़ों में झलकती है। महिलाओं में भी शतरंज की एक सशक्त, विजेता पीढ़ी दिव्या, हरिका, वैशाली, वंतिका, तानिया सचदेव और दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी आदि के रूप में सामने है। इन तमाम खिलाडिय़ों को वल्र्ड रैंकिंग हासिल है। गुकेश विश्व चैम्पियनशिप के 'चैलेंजर' हैं। वह नवम्बर, 2024 में सिंगापुर में मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन से मुकाबला करेंगे। गुकेश अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीत कर ऐसी स्थिति में आए हैं कि वह विश्व चैम्पियन को चुनौती दे पा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि मात्र 18 वर्षीय किशोर गुकेश अगला विश्व चैम्पियन बनकर दुनिया के सामने आए। हैरानी तो यह होती है कि औसत खिलाड़ी की उम्र 18-22 साल है और वे शतरंज के 'राजा-रानी' बनकर उभरे हैं। शायद देश के अधिकांश लोगों ने गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञान, दिव्या, वंतिका, वैशाली सरीखे शतरंज के 'ग्रैंडमास्टर्स' के नाम न सुने हों! शतरंज क्रिकेट और अन्य खेलों की तरह लोकप्रिय नहीं है, लेकिन वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैम्पियन खिलाड़ी हैं। अर्जुन और गुकेश क्रमशः वल्र्ड नंबर 4 और 7 हैं। इस स्वर्णिम सफलता के बाद उनकी रैंकिंग बेहतर हो सकती है।

राजस्थान में आईएएस-आईपीएस के बाद अब 183 आरएएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर (हिंस)। भजनलाल सरकार ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 183 आरएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। कार्मिक विभाग ने सूची जारी की है। सभी अधिकारियों को तुरंत नए पदों पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले, कार्मिक विभाग ने रविवार देर रात 22 आईएएस और 58 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए थे। जबकि 12 अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है, इनमें आठ आईएएस और चार आईपीएस शामिल हैं। मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव जसवंत सिंह का तबादला कर बीकानेर के अतिरिक्त संभागीय आयुक्त के पद पर भेजा गया है। राजेश सिंह को महिला अधिकारिता विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर से राजस्थान पर्यटन विकास निगम के कार्यकारी निदेशक के पद पर पोस्टिंग दी गई है। स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव सुनील भाटी का तबादला हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट में एडिशनल डायरेक्टर के पद पर किया है। वहीं, प्रियंका जोधावत को संस्कृत शिक्षा विभाग के आयुक्त पद की जिम्मेदारी दी गई है। पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी के एसए लोकेश कुमार सहल का तबादला पीएचईडी के संयुक्त सचिव के पद पर किया गया है। पीएचईडी के उप सचिव शंकरलाल सैनी अब कन्हैया लाल चौधरी के नए एसए होंगे। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा के प्राइवेट सेक्रेटरी डॉ. भास्कर बिश्नोई का तबादला राजस्व अपील अधिकारी, पाली के पद पर किया गया है। जयपुर शहर उत्तर की एडीएम सीमा शर्मा-1 का तबादला राजस्थान संस्कृत यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार के पद पर किया है। वहीं, बाड़मेर की एडीएम हरीतिमा का तबादला जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार के पद पर किया गया है। जोधपुर शहर के एडीएम राजेंद्र सिंह का तबादला राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव व खेल और युवा मामले विभाग के उप सचिव के पद पर किया गया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आरएएस तबादला सूची के अनुसार जसवंत सिंह को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त बीकानेर, राजेश सिंह को कार्यकारी निदेशक राजस्थान पर्यटन विकास निगम जयपुर, विवेक कुमार को अतिरिक्त महानिरीक्षक (प्रशासन) पंजीयन एवं मुद्रांक जयपुर, रामलाल गुर्जर को अतिरिक्त निदेशक (छात्रवृति एवं छात्रावास) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर और सुरेश कुमार नवल को राजस्व अपील अधिकारी, जयपुर लगाया गया है। सुनील भाटी को अतिरिक्त आयुक्त कॉलेज शिक्षा जयपुर, प्रदीप सिंह सांगावत को अतिरिक्त आयुक्त योजना एवं नीति आबकारी विभाग उदयपुर, डॉ. विरेंद्र सिंह को प्रबंध निदेशक एससी-एसटी वित्त विकास सहकारी निगम जयपुर, संजू शर्मा को राजस्व अपील अधिकारी अलवर, उदयभानु चारण को एडीएम जालोर, मधु रघुवंशी को उपनिदेशक शांति एवं अहिंसा विभाग जयपुर, ओमप्रकाश विश्नोई को राजस्व अपील अधिकारी जोधपुर के पद पर लगाया है। इसी प्रकार सीमा शर्मा-1 को रजिस्ट्रार राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर, हरितिमा को रजिस्ट्रार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, सोविल माथुर को शासन उप सचिव, गृह (आपदा) विभाग जयपुर, भावना गर्ग को ओएसडी (परीक्षा) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर, अनुपमा टेलर को अतिरिक्त निदेशक आईसीडीएस जयपुर, राकेश कुमार-प्रथम को एडीएम धौलपुर, मुकेश कुमार मीणा को अति. निदेशक (अस्पताल प्रशासन)-1, राजमेस मुख्यालय जयपुर, राजपाल सिंह को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, माडा कोटा, विनीता सिंह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर-प्रथम के पद पर लगाया गया है। वहीं, लोकेश कुमार को संयुक्त शासन सचिव जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जयपुर, नीलिमा तक्षक को निदेशक मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग जयपुर, राकेश कुमार गुप्ता को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कुचामनसिटी , मेघराज सिंह मीणा को अतिरिक्त निदेशक (शिशु) समेकित बाल विकास सेवाएं जयपुर, शिवचरण मीणा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी माडा करौली, सुनीता पंकज को सचिव संगीत नाटक अकादमी जोधपुर, ओमप्रकाश मेहरा को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भीलवाड़ा के पद पर लगाया है। इसी प्रकार ममता राव को विशेषाधिकारी यूआईडी प्रोजेक्ट सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग जयपुर, रामावतार गुर्जर को उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक अजमेर वृत्त-प्रथम, मुकेश कुमार को कायथवाल को एडीएम अलवर, सुमन पंवार को एडीएम जयपुर-चतुर्थ. लोकेश कुमार मीणा को एडीएम बाड़मेर, उत्तम सिंह शेखावत को निदेशक (अराजपत्रित), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं जयपुर के पद पर लगाया है। मुकेश चौधरी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी माडा पाली, नंदकिशोर राजोरा को एडीएम जोधपुर शहर, राकेश कुमार शर्मा-प्रथम-उप निदेशक, इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान जयपुर, आशीष कुमार को एडीएम जयपुर द्वितीय, सुरेश चौधरी को भू-प्रबंध अधिकारी टोंक लगाया है। उधर, धीरेंद्र सिंह को एडीएम डीग, मोहनलाल खटनावलिया को उपायुक्त, नगर निगम जोधपुर उत्तर, जगदीश प्रसाद गौड़ को सचिव नगर विकास न्यास, सीकर, संतोष कुमार गोयल को रजिस्ट्रार कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, डॉ. सत्यप्रकाश कस्वां- उपायुक्त जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग डूंगरपुर. शेर सिंह लुहाड़िया को अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी माडा जयपुर के पद पर लगाया है। वहीं, हेमराज परिडवाल को एडीएम करौली, राजेश मेवाड़ा को एडीएम उदयपुर शहर, ब्रह्मलाल जाट को उपायुक्त खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता, कुंतल विश्नोई को एडीएम जयपुर-तृतीय, राजेंद्र सिंह शेखावत-1 को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जयपुर-प्रथम, अवि गर्ग को उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक, हनुमानगढ़-वृत्त लगाया गया है।

सीट निरस्त करने के आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दिनेश मेहता ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए एक छात्रा को राजकीय मेडिकल कॉलेज चूरू में सुचारू रूप से अध्ययन करवाने का आदेश पारित किया है। दरअसल चित्तौड़गढ़ निवासी मुदिता मीना ने वर्ष 2024 में राष्ट्रीय दक्षता प्रवेश परीक्षा (नीट) में भाग लिया व उसे पचपन प्रतिशत अंक हासिल किए। उसकी काउंसलिंग व दस्तावेज सत्यापन के पश्चात उसे 30 अगस्त को आदेश से राजकीय मेडिकल कॉलेज चूरू अस्थाई रूप से आवंटित किया गया एवं इस आदेश के अनुसरण में उसने निर्धारित फीस भी जमा करवा दी। उसके पश्चात विभाग द्वारा उसे मौखिक रूप से सूचित किया गया कि चूंकि उसके माध्यमिक शिक्षा व उच्च माध्यमिक शिक्षा की अंक तालिका में नाम मुदिता मालावत है व उसके जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, वोट कार्ड, जाति प्रमाण पत्र व राशन कार्ड में नाम मुदिता मीणा है इसलिए उसका सीट आवंटन निरस्त किया जाता है। विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर छात्रा ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के समक्ष अधिवक्ता ने बताया कि प्रार्थिया द्वारा किसी दस्तावेज को छुपाया नहीं गया है। उसके नीट परीक्षा में आवेदन मुदिता मीना के नाम से ही किया है क्योंकि उसके सभी दस्तावेजात में नाम मुदिता मीना ही है केवल दसवीं व बारहवीं की अंक तालिका में उसका नाम मुदिता मालावत है व मालावत उसका गौत्र है जो मीना जाति में ही आता है लेकिन विभाग द्वारा उसका प्रवेश मौखिक रूप से प्रवेश निरस्त किया जो अनुचित है। साथ ही उसके द्वारा इस संदर्भ में एक शपथ पत्र की नीट परीक्षा 2024 आयोजित करने वालों के समक्ष पेश किया कि मुदिता मीना व मालावत एक ही है। इनमें कोई भेद नहीं है व भविष्य में किसी प्रकार का विवाद होगा तो उसकी जिम्मेवार वह स्वयं होगी। उसके द्वारा जाति में मालावत की जगह मीणा करने के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से भी निवेदन किया गया है जो वर्तमान में प्रगति पर है। नीट परीक्षा आयोजित करवाने वाली केंद्रीय एजेंसी की ओर से उपस्थित अधिवक्ता का यह तर्क था कि जिसने भी नीट 2024 में भाग लिया है उन्हें त्रुटि सुधार के लिए समुचित अवसर प्रदान किए गए लेकिन उसका लाभ नहीं उठाया गया।

सुरजेवाला ने कहा मैं भी सीएम बनना चाहता हूं, राहुल गांधी का फैसला सबको मान्य होगा

कैथल (हिंस)। राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा है कि वह भी कम बनना चाहते हैं। कुमारी शैलजा भूपेंद्र हुड्डा और वह तीनों मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। इसके अलावा कोई तीसरा कांग्रेस का नेता भी मुख्यमंत्री बन सकता है। सीएम बनने की इच्छा हर किसी के दिल में हो सकती है। वे मंगलवार को सराफा बाजार में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा हर कार्यकर्ता के दिल में होती है। चुनाव के बाद हरियाणा का सीएम कौन बनेगा यह निर्णय राहुल गांधी और मल्लिका अर्जुन खड़गे करेंगे और वह जो भी निर्णय करेंगे वह सबको मान्य होगा। कुमारी सैलजा को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा ट्विटर पर बधाई देने पर रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इन बातों में कोई वजन नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री का मैं आदर करता हूं, वह पिता समान हैं, उनकी उम्र की वजह से, पर वे बचकाना बातें कर रहे हैं। कुमारी सैलजा कांग्रेसी थी, हैं और रहेंगी। सुरजेवाला ने कहा कि उन्हें मालूम है मनोहर लाल को प्रधानमंत्री कुरुक्षेत्र की रैली तक में लेकर नहीं गए। कहीं इनको देखकर वोट टूट न जाए। वह अपनी चिंता करें कि कहीं उन्हें मंत्री पद से ना हटा दें, जिस तरह से मुख्यमंत्री कुर्सी से उठाया था। सुरजेवाला ने कहा कि कैथल के विधायक ने तो पूरे 5 साल तक एक वाक्य रट रखा था कि मेरी नी चालदी। अभी चुनाव में जनता कैथल के विधायक ही नहीं प्रदेश के सभी भाजपा के उम्मीदवारों को जवाब दे देगी। याद रहे कि चुनाव प्रचार के दौरान कैथल से कांग्रेस के उम्मीदवार और रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला ने भी कई बार कहा है कि उनके पिता सीएम बनना चाहते हैं। कैथल की जनता में भी इस बात को लेकर काफी उत्सुकता है और लोग रणदीप सुरजेवाला को इसी नजरिए से देखने भी लग गए हैं।

पहले दलित अध्यक्ष को पीटा, अब सैलजा को किया बेइज्जत, यही कांग्रेस की असलियत : मनोहर लाल

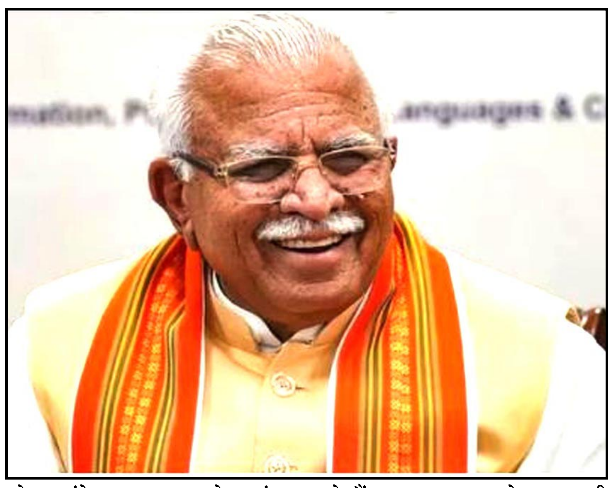

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा है कि कांग्रेस में अगर दम है तो वह भाजपा की तरह सीएम फेस का ऐलान करके फील्ड में जाए। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में भाग लेते हुए मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान यह बेहतर तरीके से जानती है कि सीएम का चेहरा घोषित करते ही कांग्रेस के नेताओं में खूनी संघर्ष शुरू हो जाएगा। मनोहर लाल ने कुमारी सैलजा के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना या कांग्रेस में रहना यह उनका अपना फैसला है। जिस तरह से कांग्रेस के एक बड़े नेता के इशारे पर दलित महिला का अपमान किया गया और उन पर निजी हमले किए गए, यह बेहद निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। मनोहर लाल ने कहा कि जो स्थिति कुमारी सैलजा की कांग्रेस में हो रही है, उसमें उनको यह न लगे कि उनका कोई भाई हाथ पकड़ने के लिए नहीं है तो केवल इस नाते से ही उन्होंने भाजपा में आने का प्रस्ताव दिया था। मनोहर लाल ने कहा कि यह मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जो अपमान कांग्रेस में हो रहा है, उससे कई गुणा अधिक सम्मान भाजपा में मिलेगा। मनोहर लाल यहीं नहीं रूके। उन्होंने किसी नेता का नाम लिए बिना कहा कि इससे पहले अशोक तंवर कांग्रेस के अध्यक्ष और वह प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। दलित प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर के साथ भी कांग्रेस के नेताओं ने मारपीट करके उन्हें घायल कर दिया था। इसके बाद कांग्रेस के तथाकथित नेता उनका हाल पूछने के लिए दिल्ली में नहीं गए लेकिन वह तथा भाजपा के कुछ अन्य लोग कांग्रेस अध्यक्ष अशोक तंवर का हालचाल जानने के लिए दिल्ली जरूर गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हरियाणा के चुनाव प्रचार में पूरी तरह से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भाजपा का प्रत्येक प्रत्याशी पिछले दस में साल केंद्र व प्रदेश में हुए विकास कार्यों के आधार पर ही वोट मांग रहा है। वरिष्ठ नेता अनिल विज तथा राव इंद्रजीत सिंह द्वारा मुख्यमंत्री पद का दावा पेश करने पर मनोहर लाल ने कहा कि इस तरह का दावा किसी एक को नहीं बल्कि सभी 90 प्रत्याशियों को करना चाहिए। इससे वोट प्रतिशत में उछाल आता है। यह भी सत्य है कि सीएम तब बनेंगे, जब बहुमत आएगा। अंत में पार्टी हाईकमान तथा संसदीय बोर्ड ही सीएम तय करता है। इस फैसले को सभी को स्वीकार करना होता है। हरियाणा में गठबंधन की राजनीति पर मनोहर लाल ने कहा कि भाजपा ने शुरू में ही साफ कर दिया था कि वह अपने बल पर चुनाव लड़ेगी। दूसरी तरफ कांग्रेस ने अंतिम समय तक गठबंधन की संभावनाओं पर काम किया। कांग्रेस के बड़े नेता दिल्ली में गठबंधन के लिए कभी आप तो कभी सपा के साथ बाठकें करते रहे। गठबंधन के इंतजार में कांग्रेस ने टिकट भी देर से बांटे।

भांड जाति के उत्थान के लिए काम करेगी सरकार : पंचायतीराज मंत्री

जयपुर (हिंस)। भांड समाज अति पिछड़े जाति है। इसके उत्थान के लिए सरकार काम करेगी और जन कल्याणकारी योजना का लाभ भांड समाज के लोगों को दिलाया जाएगा। यह पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर मंगलवार को ग्राम पंचायत मुंडिया रामसर, पंचायत समिति झोटवाड़ा, जयपुर मे भांड समाज विकास समिति द्वारा आयोजित सम्मान समारोह मे बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि ऐसे परिवार जिनके पास रहने की जगह नहीं है। उनको सरकार नि:शुल्क भूखंड देने जा रही है। ऐसे लोगों को चिन्हित कर सूची बनाई गई है किंतु भांड समाज घुमंतू जातियों की सूची में नहीं आता है परंतु यह समाज अत्यंत गरीब और पिछड़ा समाज है जो लोगों का मनोरंजन कर अपना पेट पलता है। ऐसे समाज को आगे लाना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। घुमंतु जाति के नि:शुल्क आवासीय पट्टे देने के बाद भांड जाति के लोगों को भी नि:शुल्क आवासीय पट्टे देंगे। साथ ही प्रधानमंत्री से आग्रह कर ऐसे लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाने के लिए सहायता राशि भी दिलवाएंगे। मंत्री दिलावर ने कहा कि अभी तक की जो सूची बनी है उसमें 50 हजार के करीब परिवार शामिल है। फिलहाल गांव में जमीन की समस्या आ रही है किंतु हमने तय किया है कि हम गरीब लोगों को नि:शुल्क रहने की जगह देंगे। इसके लिए जिन जमीनों पर वर्षों से अतिक्रमण जमा हुआ है उनको मुक्त कराया जाएगा तथा जरूरत पड़ी तो चारागाह की भूमि को भी आवासीय में परिवर्तित कराकर घुमंतु जाति के लोगों को पट्टे दिए जाएंगे। कार्यक्रम में सुप्रिया कपूरिया, बीडीओ, भूरी देवी, सरपंच मुंडिया रामसर, मदन चौधरी, पंचायत समिति सदस्य तथा भांड समाज की महिला अध्यक्ष कमला देवी मनचासिन थे।

पूर्व विधायकों को दो सप्ताह में खाली करने होंगे सरकारी आवास

चंडीगढ़(हिंस)। विधानसभा सचिवालय ने 14वीं विधानसभा के विधायकों को चंडीगढ़ में एमएलए फ्लैट्स खाली करने के लिए नोटिस जारी कर दिए हैं। इनमें कुछ फ्लैट्स चंडीगढ़ प्रशासन तो कुछ हरियाणा के अधीन आते हैं। पुराने विधायक जैसे ही आवास को खाली करेंगे तो लोक निर्माण विभाग इनमें मरम्मत आदि करके नए विधायकों को अलाट करने के लिए अपनी तरफ से सचिवालय को सूचित करेगा। एमएलए हॉस्टल में हरियाणा के विधायकों के लिए कुल 66 फ्लैट्स का प्रावधान किया गया है। इनमें किराए के लिहाज से कुल तीन कैटेगरी के फ्लैट्स हैं। इनकी मेंटेनेंस और मरम्मत का खर्च हरियाणा को उठाना पड़ता है। 66 फ्लैट्स में से 1 से 60 संख्या तक जो कि यूटी के तहत आते हैं, जिसमें से 22 फ्लैट्स हरियाणा के विधायकों को अलॉट किए जाते हैं। इनका मासिक किराया 300 रुपये और मोटर गैराज के 75 रुपये मिलाकर कुल 375 रुपये है। दूसरी कैटेगरी के जो फ्लैट्स में हरियाणा के अधीन 61 से 72 तक कुल 12 फ्लैट्स हैं, जिसमें मोटर गैराज की सुविधा नहीं है और मासिक रेंट एक हजार रुपये है। इसके बाद तीसरी कैटेगरी में 101 से लेकर 308 तक के तहत हरियाणा के कुल 32 फ्लैट्स हैं जिनका मासिक रेंट एक हजार और मोटर गैराज शुल्क 200 है तो ऐसे में कुल 1200 रुपये मासिक रेंट बनता है। नियमानुसार है कि अगर कोई भी निवर्तमान विधायक सरकारी आवास 15 दिन के भीतर खाली नहीं करेगा तो उसे निर्धारित मासिक किराए से डेढ़ सौ गुना ज्यादा फाइन जमा करवाना पड़ेगा। विधानसभा भंग होने के बाद अगले 15 दिन के अंदर-अंदर सभी दलों के निवर्तमान विधायकों को सरकारी आवास खाली करने के अलावा कई तरह की अन्य सुविधाओं के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होती।

जोधपुर नगर निगम दक्षिण में मनाया नो व्हीकल डे

जोधपुर (हिंस)। स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर नगर निगम दक्षिण की ओर से मंगलवार को एक दिन नो व्हीकल डे रखा गया, जिसके तहत निगम दक्षिण की महापौर, उपायुक्त, अधिकारी, इंजीनियर्स व कर्मचारियों ने ईंधन से चलने वाले वाहन का उपयोग नहीं किया। कुछ लोग साइकिल से आए तो नजदीक रहने वाले पैदल पहुंचे। महापौर सहित कई लोग ई-रिक्शा से निगम कार्यालय पहुंचे। महापौर वनिता सेठ ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के कारण निगम ने आज यह कदम उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है जो दो अक्तूबर तक चलेगा। इसके तहत वृक्षारोपण व स्वच्छता के अभियान चलाए जा रहे है। इस पखवाड़े में पर्यावरण में फैले प्रदूषण को कम करने के संदेश के साथ आज नो व्हीकल डे मनाया गया। इसमें कार्यालय में अधिकारी व कर्मचारी पैदल, साइकिल व ई रिक्शा से पहुंचें। अब तय किया जा रहा है कि महीने में एक दिन नो व्हीकल डे मनाया जाए जिसमें सभी बिना व्हीकल के कार्यालय पहुंचेंगे। नगर निगम में आज सुबह दस बजे के करीब अधिकारियों व कर्मचारियों के आने का सिलसिला शुरु हुआ। महापौर वनिता सेठ ई रिक्शा से निगम के गेट तक पहुंची। वहां से वह पैदल कार्यालय में गई। वहीं अतिरिक्त आयुक्त सुनिता पंकज भी पैदल ही कार्यालय में पहुंचीं। एक्सईएन प्रवीण व सुबोध साइकिल से कार्यालय पहुंचें। अधिकांश कर्मचारी ई रिक्शा से कार्यलय के बाहर तक आए और मुख्य द्वार से अंदर पैदल ही पहुंचे। नगर निगम परिसर में वर्तमान में नगर निगम उत्तर और दक्षिण दोनों चल रहे हैं। मंगलवार को नो व्हीकल डे नगर निगम दक्षिण के लिए रखा गया था।

वज्रपात से नवादा में तीन लोगों की मौत मचा कोहराम

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के रजौली थाने के एकंबा गांव में मंगलवार की शाम हुए वज्रपात से तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे गांव में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों मजदूर खेत में काम कर थे। इसी बीच वर्षा होने लगी। वर्षा से बचने के लिए तीनों लोग एक पेड़ के नीचे छुप गए। कुछ ही देर में कड़क के साथ पेड़ पर वज्रपात हुई, जिससे नीचे खड़े तीनों लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। मृतकों की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हुई है। विशेष रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही। ग्रामीणों का यह भी है कहना है कि मृतक तीनों मजदूर बाहर काम के लिए गए थे।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने खीरी मेडिकल कॉलेज के तंबाकू नियंत्रण केंद्र का वर्चुअल शुभारंभ किया

लखीमपुर खीरी (हिंस)। जिला चिकित्सालय खीरी से संबद्ध स्वाशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय लखीमपुर खीरी में मंगलवार को तंबाकू नियंत्रण केंद्र का वर्चुअल शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा एवं राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने देश भर में एक साथ किया। वहीं ओयल स्थिति मेडिकल कालेज में तंबाकू नियंत्रण केंद्र का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आर्य देश दीपक ने किया। इस दौरान उनके साथ मुख्य रुप से सीएमएस जिला पुरुष चिकित्सालय डॉ. आरके कोली व सीएमएस जिला महिला चिकित्सालय डॉ. ज्योति महरोत्रा मौजूद रही। पूरे कार्यक्रम का लाइव प्रसारण डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य स्टाफ ने देखा। इस दौरान प्राचार्य डॉ. आर्य देश दीपक ने बताया कि शासन के निर्देश पर तंबाकू नियंत्रण केंद्र की शुरुआत मेडिकल कालेज में की जा रही है। जिसका उद्देश्य तंबाकू उत्पादों जिनमें पान पुड़िया बीड़ी सिगरेट तंबाकू गुटखा पान मसाला खैनी जर्दा इत्यादि शामिल है। इसको छुड़वाने में लोगों की चिकित्सीय व मानसिक सहायता करना है। इस केंद्र की शुरुआत के साथ ही अब सीधे तौर पर तंबाकू उत्पाद सेवन के लती हो चुके लोगों को मिलेगा। इस दौरान सीएमएस डॉ. कोली ने कहा कि तंबाकू एक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे इंसान को उसकी जिन्दगी से दूर करता है, अधिकतर युवा 16 वर्ष से 22 वर्ष के होते हैं जिसके लिए मां बाप को इस उम्र के बच्चों का खास ध्यान रखना चाहिए कि वह तंबाकू उत्पादों की आकर्षित होकर उसकी लत का शिकार न हो जाये। आज बच्चे बूढ़े और जवान सभी में इसके सेवन की अधिकता बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में तंबाकू उत्पादों से होने वाली बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही है। सीएमएस डॉ. ज्योति महरोत्रा ने कहा कि तंबाकू उत्पादों का सेवन करने वालों में महिलाओं की भी संख्या बढ़ी है। ऐसी भी महिलाएं देखने को मिली है, जो गर्भधारण के दौरान भी तंबाकू उत्पादों का भी सेवन करती हैं, ऐसे में यह सिर्फ उनको ही नहीं बल्कि उनके होने वाले शिशुओं के लिए भी बड़ा खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू से बांझपन की भी शिकायत हो सकती है। ऐसे में इस केंद्र की शुरुआत का फायदा बड़ी जनसंख्या को मिलेगा। इस दौरान वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसके मिश्र सहित तंबाकू नियंत्रण केंद्र के नोडल एसोशिऐट प्रोफेसर डॉ. जॉन जैब रिजवी व डॉ. विनीत, डॉ. प्रमोद, इन्द्र अवस्थी, काउंसलर देव नंदन श्रीवास्तव, अंजली देवी, हेल्प डेस्क विभाग से हेल्प डेस्क प्रबंध सुरेन्द्र कश्यप एवं पंकज कुमार शुक्ला, अंजू कनौजिया आदि उपस्थिति रहे।

राहत सामग्री नहीं मिलने पर बाढ़ प्रभावित लोगों ने किया सड़क जाम

भागलपुर (हिंस)। जिले के सुलतानगंज के तिलकपुर पंचायत के नसोपुर गांव के बाढ़ प्रभावित लोगों ने मंगलवार को सरकार के द्वारा राहत सामग्री नहीं दिए जाने पर एनएच 80 सड़क मार्ग को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर राजद युवा प्रदेश सचिव मो. नसीम ने मौके पर पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्या से अवगत होकर एसडीओ से दुरभाष पर बातचीत कर समस्या का निदान जल्द करने की बात कही। मौके पर सीओ रवि कुमार और बीडीओ संजीव कुमार ने पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत करते हुए सभी को बाढ़ राहत सामग्री मिलने की बात कहते हुए सड़क जाम को हटाया। इस दौरान तिलकपुर मुखिया अमित कुमार, उपमुखिया सत्यम कुमार सहित इत्यादि बाढ़ प्रभावित ग्रामीण काफी संख्या में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 26 सितंबर को कटिहार में विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

कटिहार (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 26 सितंबर को कटिहार जिले में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सेंटर ऑफ एक्ससेलेंस का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को डिजाइन, रोबोटिक्स और औद्योगिक रोबोटिक मटेरियल हैंडलिंग आदि में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री बरारी प्रखंड के पलटन पारा गांव में बकरी शेड, पशु शेड और डब्ल्यूपीयू का उद्घाटन भी करेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री कई अन्य योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे से कटिहार जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जैसे संस्थानों को प्रोत्साहन मिलेगा। जिससे कटिहार के लोगों को अपनी समस्याओं का समाधान करने का अवसर मिलेगा। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और यातायात व्यवस्था को भी सुधारा गया है। मुख्यमंत्री के दौरे से कटिहार जिले में विकास की नई दिशा खुलेगी और लोगों की उम्मीदें बढ़ेंगी। यह दौरा कटिहार के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.8 फीसदी पर रखा बरकरार

एजेंसी का 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर बरकरार रखा है। एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा।

रेटिंग एजेंसी ने मंगलवार को जारी एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसदी पर बरकरार रखा है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में ठोस वृद्धि से आरबीआई मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। एजेंसी ने कहा कि कहा कि आरबीआई अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीति एमपीसी की समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। इससे पिछले हफ्ते जारी एक रिपोर्ट में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा था कि भारत वित्त वर्ष 2030-31 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी को बिग थ्री क्रेडिट-रेटिंग एजेंसियों में सबसे बड़ी माना जाता है, जिसमें मूडीज रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की विकास दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वहीं, मूडीज रेटिंग्स ने पिछले महीने कैलेंडर वर्ष 2024 में 7.2 फीसदी और कैलेंडर वर्ष 2025 में 6.6 फीसदी की दर से जीडीपी बढ़ने का अनुमान जताया था।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ को दी मंजूरी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिसमें कंपनी 2,500 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इश्यू का वैल्यूएशन 7-8 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और यह दिसंबर तक सूचीबद्ध हो सकता है। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो रिटेल और कॉरपोरेट सेक्टर में सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड लोन की विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं प्रदान करती है। आईपीओ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी है, खासकर अक्टूबर 2022 के सर्कुलर के बाद, जब इसे अपर लेयर एनबीएफसी कैटेगरी में रखा गया था। एचडीएफसी बैंक की एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी हिस्सेदारी है। फिलहाल, आईपीओ के लिए बैंकरों का चयन किया जा रहा है। इसमें मॉर्गन स्टेनली, बैंक ऑफ अमेरिका, नोमुरा, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल और आईआईएफएल जैसी प्रमुख फर्मों को शामिल किया जा रहा है।

देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

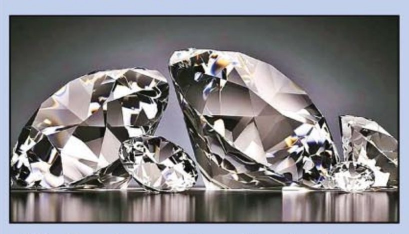

नई दिल्ली । दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

गोवा में मंत्रियों की बैठक में होगी जीएसटी दरों की समीक्षा

नई दिल्ली । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मंत्रियों का समूह गोवा में

मंगलवार और बुधवार को जीएसटी दरों की समीक्षा करेगा। उर्वरक, हैंडलूम और टेक्सटाइल सहित 100 से अधिक उत्पादों पर कर दरों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस पैनल की सिफारिशें नवंबर में होने वाली 55वीं वस्तु एवं सेवा कर काउंसिल की बैठक में पेश की जाएंगी। बैठक में रियल एस्टेट से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी, जिसमें एक मुआवजा योजना भी शामिल हो सकती है, जो इस सेक्टर पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े एक सूत्र के मुताबिक इस बैठक में 90-100 उत्पादों की दर को तार्किक बनाने के असर की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। समिति में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खीमसर और केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल शामिल हैं।

सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

मुंबई । शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन (जीपीसीएल) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन (धन की हेराफेरी) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने सामान्य कॉरपोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी।

शेयर बाजार : सेंसेक्स पहली बार 85 हजार और निफ्टी 26 हजार के स्तर के पार पहुंचा

ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला मार्केट, सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने के बाद मुनाफा वसूली की वजह से सपाट स्तर पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स पहली बार 85 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हुआ। इसी तरह निफ्टी भी पहली बार 26 हजार अंक के ऊपर पहुंच गया। मुनाफा वसूली की वजह से दोनों सूचकांकों ने अपनी बढ़त गंवा दी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और आईटी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर रियल्टी, एफएमसीजी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार उठा पटक होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को शेयर बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का

मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 476.16 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 13 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,076 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,932 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,045 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 99 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,477 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,168 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,309 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 67.88 अंक की कमजोरी के साथ 84,860.73 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही इस सूचकांक ने 85 हजार अंक के स्तर को पार कर लिया। हालांकि, सुबह 10 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक 212.54 अंक की कमजोरी के साथ 84,716.07 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 450 अंक उछल कर 234.62 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,163.23 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी, क्योंकि बाजार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स गिर कर लाल निशान में पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 14.57 अंक की कमजोरी के साथ 84,914.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 17.60 अंक की कमजोरी के साथ 25,921.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक थोड़ी देर में ही हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे तक ये सूचकांक 52.20 अंक टूट कर 25,886.85 अंक तक गिर गया, लेकिन इसके बाद खरीदारों में एक बार फिर बाजार में मोर्चा संभाल लिया। लगातार हो रही लिवाली की वजह से कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 125 अंक की रिकवरी करके 72.50 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 26,011.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर पर एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 1.35 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 25,940.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील 4.25 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 3.95 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.61 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.86 प्रतिशत और अडाणी इंटरप्राइजेज 1.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.91 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.58 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.78 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.68 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में उछला सोना चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने के भाव में तेजी का रुख है। हालांकि चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण देश के सभी सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच कर 76,310 रुपये से लेकर 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 69,960 रुपये से लेकर 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में गिरावट आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,210 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सेबी बोर्ड मीटिंग 30 सितंबर को, माधवी पुरी बुच पर लगे आरोपों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज ऐंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) बोर्ड की बैठक 30 सितंबर को होगी। माना जा रहा है बैठक में सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच से जुड़े आरोपों पर भी चर्चा हो सकती है। शॉर्ट सेलर फॉर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के माधवी पुरी पर आरोप लगाए जाने के बाद सेबी बोर्ड की यह पहली बैठक हो रही है। हिंडनबर्ग के आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस ने भी अलग-अलग किस्तों में सेबी चेयरपर्सन पर कई आरोप लगाए हैं।

ऐसे संकेत मिले हैं कि चेयरपर्सन पर लगाए गए आरोपों पर बोर्ड की बैठक में चर्चा जरूर होगी, लेकिन उस वक्त माधवी पुरी बुच खुद को चर्चा से अलग कर लेंगी। बैठक का एजेंडा अभी तक तय नहीं किया गया है। बावजूद सके जानकारों का कहना है की आरोपों पर होने वाली चर्चा को आमतौर पर बोर्ड मीटिंग के एजेंडा में लिस्ट नहीं किया जाता है, लेकिन इन आरोपों पर चर्चा जरूर होगी। बोर्ड मीटिंग में सेबी द्वारा पेश किए गए 11 कंसल्टेशन पेपर्स पर भी चर्चा की जा सकती है। इन पेपर्स पर लोगों से सलाह लेने की समय सीमा भी पूरी हो चुकी है। ऐसी स्थिति में बोर्ड मीटिंग में इन पर आखिरी फैसला लिया जा सकता है। ये पेपर्स म्युचुअल फंड लाइट रेगुलेशंस और म्यूचुअल फंड्स के लिए एक नए एसेट क्लास की शुरुआत से संबंधित हैं।

एआईआईबी की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने ताशकंद पहुंचीं सीतारमण

ताशकंद/नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए उजबेकिस्तान के ताशकंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं।

वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री एआईआईबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर ताशंकद पहुंचीं। ताशकंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीतारमण का स्वागत उज्बेकिस्तान में भारत की राजदूत सुश्री स्मिता पंत और उज्बेकिस्तान गणराज्य के निवेश, उद्योग और व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और आलोक बैंक के निदेशक ने किया।उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 24 से 28 सितंबर, 2024 तक उज्बेकिस्तान की पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे

पर हैं। इस दौरान वह एआईआईबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की नौवीं वार्षिक बैठक में भाग लेंगी। वित्त मंत्री के साथ वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी आया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार होता रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बन रहा। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी बनी हुई है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स पिछले सत्र में रिकॉर्ड हाई पर बंद होने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,718.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,974.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 109.47 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,015.18 स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,259.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,508.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 126.78 अंक यानी 0.67 प्रतिशत उछल कर 18,846.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,951.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत लुढ़क कर 3,637.25 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 392.22 अंक यानी 0.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,053.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,604.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 575.52 अंक यानी 3.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,822.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 2.32 प्रतिशत उछल कर 2,814.30 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 22,287.64 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,450.27 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,787.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

हॉकी इंडिया अक्टूबर में दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए करेगा जर्मनी की मेजबानी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया (एचआई) ने भारतीय पुरुष टीम और जर्मनी के बीच बहुप्रतीक्षित दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला की घोषणा की है, जो अक्टूबर 2024 में होगी। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस 2024 ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था, जहां जर्मनी ने 3-2 से जीत हासिल की थी। दोनों मैच 23 और 24 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है, और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच एक गहन प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी। हम इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह का मानना है कि दोनों टीमों के पास भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए अपने कौशल को निखारने का मौका होगा। उन्होंने कहा, भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक रोमांचक मुकाबला रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं, और मेरा मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को निखारने का मौका देगी। हमें इस भारत-जर्मन सहयोग का हिस्सा होने पर गर्व है, जो न केवल व्यापार और कूटनीति बल्कि खेल के प्रति प्रेम को भी साथ लाता है।

जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच इस द्विपक्षीय श्रृंखला को जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत हमेशा से हॉकी के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और हमारी टीम उत्साही भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साहित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव का इंतजार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरानी कप 2024 : रहाणे करेंगे मुंबई की कप्तानी, सरफराज को मैच के लिए किया जा सकता है रिलीज

नई दिल्ली। अजिंक्य रहाणे लखनऊ में शेष भारत के खिलाफ 1 से 05 अक्टूबर तक होने वाले आगामी ईरानी कप मैच में रणजी ट्रॉफी चैंपियन मुंबई की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, इस मैच में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी होगी। समझा जाता है कि श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स मुलानी और तनुश कोटियन सहित सभी शीर्ष खिलाड़ी इस मैच में खेलेंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय टीम में शामिल सरफराज खान को इस मुकाबले के लिए चुना जाएगा या नहीं। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट 27 सितंबर से शुरू हो रहा है और अगर सरफराज को प्लेइंग इलेवन में नहीं चुना जाता है, जो कि हो सकता है, तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन अपने प्रमुख बल्लेबाज को ईरानी कप में खेलने देने का अनुरोध कर सकता है। टीम की घोषणा आज हो सकती है। यह समझा जाता है कि भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे, जो दोनों ही भारतीय टी20 टीम में स्वतः चयनित हैं, ईरानी कप नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें 6 अक्टूबर से शुरू होने वाली टी20आई श्रृंखला के लिए 3 अक्टूबर को ग्वालियर में रिपोर्ट करना होगा।

फीफा ने लीगल हैंडबुक 2024 संस्करण प्रकाशित किया

जिनेवा। विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा ने सोमवार को लीगल हैंडबुक का 2024 संस्करण प्रकाशित किया, जिसमें दुनिया भर के फुटबॉल समुदाय को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए नवीनतम नियम, वैधानिक दस्तावेज और परिपत्र शामिल हैं। विश्व फुटबॉल शासी निकाय ने 2020 में पहले संस्करण के बाद से हर साल कानूनी पुस्तिका प्रकाशित की है। नए संस्करण में फुटबॉल संगठनों और मैचों पर लागू सभी नियमों और कानूनों में हालिया परिवर्तन और संशोधन शामिल हैं। अन्य प्रासंगिक दस्तावेजों के अलावा, कानूनी पुस्तिका के 2024 संस्करण में फीफा के नियमों के अद्यतन संस्करण, खिलाड़ियों की स्थिति और स्थानांतरण पर विनियम, तथा महिला खिलाड़ियों और कोचों के लिए नियामक ढांचा शामिल हैं।

पंजाब एफसी, राउंडग्लास हॉकी 'गोल्सटूट्रीस' अभियान में होंगे शामिल; प्रत्येक गोल पर लगाए जाएंगे 500 पेड़

मोहाली। पंजाब एफसी और राउंडग्लास हॉकी अकादमी, राउंडग्लास फाउंडेशन के साथ मिलकर फ्तगोल्सटूट्रीस अभियान में भाग लेंगे और पर्यावरणीय कार्य में योगदान देंगे। इस अभियान के तहत, पंजाब और राउंडग्लास हॉकी अकादमी टीमों द्वारा किये गए प्रत्येक गोल के लिए राउंडग्लास फाउंडेशन पंजाब में 500 पेड़ लगाएगा! फ्तगोल्सटूट्रीस अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच पर्यावरण और वहनीयता के प्रति जागरूकता पैदा करना है। राउंडग्लास फाउंडेशन, अपने प्रमुख 'बिलियन ट्री प्रोजेक्ट' के माध्यम से 1 बिलियन पेड़ लगाने के मिशन पर है। अब तक, फाउंडेशन ने 2.6 मिलियन देशी पेड़ लगाए हैं, जिससे 1,400 से अधिक मिनी जंगलों का निर्माण हुआ है और लगभग 35,000 टन कार्बन को अवशोषित किया गया है। यह परियोजना स्थानीय जैव विविधता को पुनर्जीवित कर रही है, भूजल स्तर को भर रही है, और वायु गुणवत्ता में सुधार कर रही है, साथ ही स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी रोजगार पैदा कर रही है। सरकार की मनरेगा योजना के तहत फाउंडेशन की व्यापक वृक्षारोपण पहल के माध्यम से 13,000 से अधिक रोजगार उत्पन्न किए गए हैं। पंजाब एफसी के फुटबॉल निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, फ्फुटबॉल केवल एक खेल नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर में सामाजिक परिवर्तन का एक उत्प्रेरक भी है। मुझे खुशी है कि पंजाब एफसी के पास पंजाब की हरियाली बढ़ाकर और पर्यावरण को सुधारने का अवसर है। यह अभियान टीम को अतिरिक्त प्रेरणा देगा और खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। राउंडग्लास हॉकी अकादमी के सहायक तकनीकी प्रमुख, राजिंदर सिंह सीनियर ने इस पहल का स्वागत किया, जिसमें हॉकी और फुटबॉल जैसे टीम खेलों का उपयोग पंजाब में पर्यावरणीय चुनौतियों को हल करने के लिए किया जा रहा है।

आईसीसी ने की महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

अंपायरों के अनुभवी समूह में पोलोसाक सहित दस अंपायर, तीन मैच रेफरी होंगे

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के नौवें संस्करण के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। दस अंपायर और तीन मैच रेफरी 3 से 20 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टूर्नामेंट का संचालन करेंगे।

अंपायरों के अनुभवी समूह में क्लेयर पोलोसाक सहित अनुभवी अधिकारी शामिल हैं, जो अपने पांचवें आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे, जबकि किम कॉटन और जैकलिन विलियम्स मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अंतिम चैंपियन, ऑस्ट्रेलिया, के बीच। पिछले फरवरी में केप टाउन में हुए फाइनल की जिम्मेदारी संभालने के बाद अपने चौथे विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे। सू रेडफर्न, जो उस फाइनल में टीवी अंपायर थीं, भी टूर्नामेंट में अपनी चौथी उपस्थिति के लिए वापस आ गई हैं। स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

मैच रेफरी की टीम में जीएस लक्ष्मी शामिल हैं, जिन्होंने 2012 में अपना पहला टी20ई रेफरी किया था और 2023 में फाइनल की देखरेख की थी। उनके साथ शैंड्रे फ्रिट्ज और मिशेल परेरा भी शामिल हैं, जो अपने दूसरे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रेफरी की भूमिका में हैं।

आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक - अंपायर और रेफरी, सीन इज़ी ने कहा- आईसीसी को हमारे खेल में महिलाओं की उन्नति में योगदान देने पर गर्व है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की इस पूर्ण महिला लाइनअप की घोषणा करना अद्भुत है। द्विपक्षीय और अन्य क्रिकेट में अपने हालिया फॉर्म के बाद इस आयोजन के लिए सबसे योग्य अंपायरों के रूप में चुने गए इस समूह में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन अंपायर हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमें विश्वास है कि वे इस आयोजन में बहुत अच्छा काम करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे इसमें शामिल सभी लोगों के लिए एक रोमांचक टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष महिला क्रिकेटरों की देखरेख करेंगी। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच ऑफिशियल्स इस प्रकार हैं-

मैच रेफरी - शैंड्रे फ्रिट्ज़, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा।

अंपायरों का पैनल - लॉरेन एजेनबैग, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स।

क्रिकेट को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने टी10 प्रारूप अपनाएं : नीशम

हरारे। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज जेम्स नीशम ने कहा है कि अगर क्रिकेट को विश्व भर में लोकप्रिय बनाना है तो टी10 प्रारूप इसके लिए सबसे बेहतर रहेगा। नीशाम के अनसार ये सबसे छोटा प्रारुप है। इस कारण तेजी से लोकप्रिय भी हो रहा है। नीशम सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। उनका मानना है कि इस प्रारूप की अपनी चुनौतियां हैं पर उन्हें भरोसा है कि ये अभी आगे बढ़ेगा। नीशम ने कहा, टी10 में खेलना इसलिए सबसे कठिन है क्योंकि ये काफी छोटा है, ऐसे में फॉर्म हासिल करने या समस्याओं को ठीक करने का कोई अवसर नहीं रहता है। इसमें आपको बस बाहर जाना है और आक्रामक तरीके से खेलना है। इसमें पारंपरिक रूप से क्रिकेट खेलने वाले देशों से अलग जगहों पर खेलने का अवसर मिलता है। मैं इसे वैश्विक रग्बी सेवेंस श्रृंखला की तरह विकसित होते हुए देखता हूं, जहां हर सप्ताह के अंत में दुनिया के अलग-अलग शहरों में प्रतियोगिताएं होती हैं।। नीशम ने हाल ही में जिम एफ्रो टी10 के सीजन 2 में अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया था। इस खिलाड़ी ने केप टाउन सैम्प आर्मी के खिलाफ अपनी टीम हरारे बोल्ट्स को अपनी बल्लेबाजी से मुश्किलों से उबारा था। उनकी टीम को इस मैच में जीत मिली। इसी पारी और जीत को लेकर नीशम कहा, माहौल अच्छा था। घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा फायदेमंद होता है, इसलिए उम्मीद है कि यह हमारे लिए आगे बढ़ने का एक फायदा होगा। ड्रेसिंग रूम में माहौल अच्छा है। हालांकि टूर्नामेंट अभी बहुत शुरुआती दौर में है, इसलिए हम आने वाले मैच का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, टी10 में आक्रमक रुख अपनाने के लिए अपने पलों को चुनना और उसका पूरा फायदा उठाना शामिल है।

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने 2012 की ब्लैकफेस फोटो के लिए मांगी माफी

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट को क्रिकेट अनुशासन आयोग (सीडीसी) ने 2012 में ब्लैकफेस वाली तस्वीर के लिए फटकार लगाई है और 1000 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड का जुर्माना लगाया है, उनके इस व्यवहार को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण आचरण माना गया है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, 2012 में क्रिकेट क्लब पार्टी में स्पोर्ट्स स्टार थीम वाली फैंसी ड्रेस पार्टी में किसी तीसरे पक्ष द्वारा ली गई तस्वीर ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निर्देश 3.3 का उल्लंघन किया, जिसमें उस समय कहा गया था, कोई भी व्यक्ति खुद को इस तरह से संचालित नहीं कर सकता है या कोई ऐसा कार्य या चूक नहीं कर सकता है जो क्रिकेट के हितों के लिए हानिकारक हो या जो क्रिकेट के खेल या किसी क्रिकेटर या क्रिकेटरों के समूह को बदनाम करे।

नाइट, जो उस समय 21 वर्ष की थी, ने आरोपों को स्वीकार कर लिया और अपने आचरण के लिए माफ़ी मांगी। ईसीबी द्वारा जारी एक बयान में नाइट ने कहा, 2012 में मैंने जो गलती की थी, उसके लिए मैं सच में खेद व्यक्त करती हूं। यह गलत था, और मुझे लंबे समय से इसका पछतावा है। उस समय, मैं अपने कार्यों के निहितार्थ और परिणामों के बारे में उतना शिक्षित नहीं थी, जितना कि अब हो गई हूं। मेरा कोई गलत इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं अतीत को नहीं बदल सकती, खेल में समावेशिता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों को खेल के भीतर समान अवसर और संतुष्टि मिले, जैसा कि मुझे मिला है, मैं अपने मंच का उपयोग करने के लिए भावुक और प्रतिबद्ध हूं।

यह पहली बार है जब नाइट किसी अनुशासनात्मक कार्यवाही में शामिल हुई हैं और विविधता और समावेश के आसपास उनके अवैतनिक राजदूत के रूप में काम पर भी विचार किया गया। 2021 में, उन्होंने प्रोफेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन की समानता, विविधता और समावेश प्रशिक्षण लिया, जिसने उनके सहयोग के साथ, एक हल्की सजा दी।

क्रिकेट नियामक के अंतरिम निदेशक डेव लुईस ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, क्रिकेट नियामक खेल को एक अधिक समावेशी बनाने के लिए काम कर रहा है, और जब भी नस्लवादी व्यवहार की सूचना हमारे पास आती है, तो हम सकारात्मक और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले में नाइट का व्यवहार भेदभावपूर्ण और आक्रामक था, हालांकि, क्रिकेट अनुशासन आयोग (सीडीसी) ने स्वीकार किया कि उनके आचरण में कोई नस्लवादी इरादा नहीं था। मैं उनके व्यवहार के संभावित प्रभाव की उनकी स्वीकृति और उनकी बिना शर्त माफ़ी का स्वागत करता हूँ।

मुंबई सिटी इस बार आईएसएल जीतने के पूरे प्रयास करेगी : विक्रम प्रताप सिंह

नई दिल्ली। मुंबई सिटी एफसी के फॉरवर्ड विक्रम प्रताप सिंह का कहना है कि उनकी टीम इस बार ट्रॉफी जीतने के लिए पहले से अधिक प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, हम पिछली बार से ज्यादा उत्साहित और प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि जब आप मुंबई सिटी एफसी जैसे क्लब के लिए खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि जीतना है। हमारे लिए ड्रॉ हार के समान है और हर कोई इसी मानसिकता के साथ खेलता है।

उन्होंने माना कि इस समय टीम कठिन हालातों का सामना कर रही है। उसे इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप में अपने शुरुआती दो मैचों में ड्रॉ और हार का सामना पड़ा है।

जीत में अहम रोल निभाया

विक्रम चार साल पहले अक्टूबर 2020 में मुंबई सिटी एफसी में शामिल हुए थे पर साल 2023/24 सीजन उनके लिए अच्छा रहा। इस फॉरवर्ड ने इस सत्र में 20 मैच खेलकर सात गोल किये। उन्होंने एफसी गोवा के खिलाफ सेमीफाइनल के पहले चरण में ही 91वें मिनट में एक अहम गोल करके अपनी टीम को 3-2 से जीत दिलाई थी।

बेहतर प्रदर्शन करना है

हालांकि विक्रम का कहना है कि उनपर कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दबाव ज्यादा मायने नहीं रखता। मैं हमेशा पिछले सत्र से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं। मेरा लक्ष्य केवल पिछले सत्र से ज्यादा गोल करना है। अब इस खिलाड़ी का लक्ष्य टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है।

डेविस कप फाइनल्स : नडाल-अल्काराज़ स्पेन की टीम में शामिल, इटली का खिताब बचाने उतरेंगे सिनर

मैड्रिड। स्पेन ने नवंबर में मलागा में खेले जाने वाले डेविस कप फाइनल्स के लिए राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज़ को अपनी टीम में शामिल किया है। स्पेन 19-24 नवंबर को मलागा, स्पेन में आठ टीमों के आयोजन डेविस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल दौर में नीदरलैंड से भिड़ेगा।2024 डेविस कप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले आठ देशों ने फाइनल 8 के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है, जिसमें खेल के कुछ सबसे बड़े सितारे 2024 विश्व चैंपियन बनने के अधिकार के लिए संघर्ष करने को तैयार हैं।

विश्व नंबर-1 जानिक सिनर एक इतालवी टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसका लक्ष्?य 2012-13 में चेक गणराज्य के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाला पहला देश बनने का है और सारा ध्यान नडाल और अल्काराज के साथ स्पेन पर होगा। नडाल ने पेरिस ओलंपिक के बाद से नहीं खेला है, क्योंकि उन्होंने यूएस ओपन और लेवर कप से नाम वापस ले लिया था। वे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे।

अल्काराज ने सीजन के चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीते हैं। इटली के क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना भी पूरी ताकत से खेल रहे हैं, जिसमें सेबस्टियन बाएज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस मार्टिन एटचेवरी सभी कप्तान गुइलेर्मो कोरिया को एकल मैचों में कई विकल्प प्रदान कर रहे हैं।

डेविस कप इतिहास के दो सबसे सफल देश यूएसए और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। अमेरिकी मैलागा में तीन शीर्ष 20 एकल खिलाड़ियों को मैदान में उतारेंगे। यूएस ओपन उपविजेता टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी पॉल और बेन शेल्टन के साथ उतरेंगे जबकि ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व मॉन्ट्रियल चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन करेंगे। ड्रॉ के निचले हिस्से में जर्मनी का मुकाबला कनाडा से होगा। चौथे डेविस कप खिताब के लिए जर्मनों की खोज का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रफ करेंगे, जबकि कनाडा ने उसी टीम का चयन किया है, जिसने 2022 का खिताब जीता था, जिसमें फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव सबसे आगे हैं।

स्पेन, जिसने अपनी टीम में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत, पाब्लो कारेनो बुस्टा और मार्सेलो ग्रैनोलर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को भी शामिल किया है, क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा, जिसमें डच टीम का नेतृत्व टैलोन ग्रिएक्सपुर और बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प करेंगे। डेविस कप क्वार्टर फाइनल 19-21 नवंबर को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 22-23 नवंबर को और फाइनल 24 नवंबर को खेला जाएगा।

अश्विन ने अपनी बढ़ती उम्र को लेकर कप्तान रोहित के साथ हुई मजेदार बातचीत को किया साझा

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दौरान कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक मजेदार बातचीत को साझा किया। 22 सितंबर को भारत की 280 रनों की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले अश्विन की ऑलराउंड प्रतिभा ने एक बार फिर उनकी बेहतरीन प्रतिभा को उजागर किया है।

38 साल की उम्र में, अश्विन अपनी निरंतरता और मैच जीतने वाले प्रदर्शनों के लिए प्रशंसा बटोर रहे हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट टीम युवा खिलाड़ियों की ओर बढ़ रही है।

अपने नवीनतम यूट्यूब वीडियो में, अश्विन ने एक मजेदार किस्सा साझा किया कि कैसे उनकी पत्नी, प्रीति नारायणन ने दलीप ट्रॉफी के हाइलाइट्स देखते हुए उम्र के बारे में बातचीत शुरू की। प्रीति के सवाल के कारण अश्विन ने रोहित से उनकी उम्र के बारे में मजाकिया अंदाज में बातचीत की। भारतीय टीम के वरिष्ठ सदस्य अश्विन और रोहित दोनों ने अपनी बढ़ती उम्र की चिंताओं को दरकिनार करते हुए महत्वपूर्ण क्षणों में टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हम परसों कुछ हाइलाइट्स देख रहे थे। मेरी पत्नी ने मुझसे कुछ कहा-ये ऑफ स्पिनर, गेंदबाजी करते समय अपने मन में आपको गाली नहीं दे रहे होंगे? मुझे आश्चर्य हुआ कि ऐसा क्यों है और मुझे लगा कि वे सोच रहे होंगे कि वह कब हमारे लिए ब्रेक लेने के लिए निकलेंगे? अचानक, मुझे थोड़ा अजीब लगा। मुझे एहसास हुआ, हाँ, मैं अब उसी दौर में हूँ। जब हम छोटे थे, तब भी हम टीम में अपनी जगह के बारे में सोचते थे। हर कोई ऐसा करता है। जब मैं अब इसे देखता हूँ, तो यह मुझे वास्तविकता में ले जाता है। यह आपको एहसास कराता है कि आपने बहुत सालों तक खेला है। अश्विन ने कहा, मैंने आधिकारिक प्रसारण चैनल पर एक ग्राफिक देखा। उन्होंने

साल-दर-साल का ब्योरा दिया था और यह 38वें नंबर पर समाप्त हुआ। मैं उस क्लब में अकेला हूं। फिर अचानक मैंने रोहित को देखा, वह मेरे पास से गुजर रहा था। मैंने उससे पूछा तुम्हारा जन्मदिन कब है?। उसने कहा कि यह आने वाला है। मैं उसके जन्मदिन का इंतजार कर रहा हूं। फिर हम कुछ समय के लिए एक ही उम्र के हो जाएंगे।

चेन्नई टेस्ट के दौरान, अश्विन ने न केवल अपना छठा टेस्ट शतक बनाया, बल्कि छह विकेट भी लिए, जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। यह सम्मान 2021 में उनकी जीत के बाद चेन्नई में उनके लगातार दूसरे प्लेयर ऑफ द मैच सम्मान को दर्शाता है।

उल्लेखनीय रूप से, अश्विन अब एक ही टेस्ट में शतक बनाने और पांच विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने के मामले में इयान बॉथम के बाद दूसरे स्थान पर हैं, उन्होंने ऐसा चार बार किया है। मैचों की चौथी पारी में अश्विन की उत्कृष्टता ने उन्हें भारत के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया है। चौथी पारी में 99 विकेट लेकर उन्होंने अनिल कुंबले के 94 विकेट के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है और खुद को भारत के गेंदबाजी आक्रमण में एक अपरिहार्य संपत्ति के रूप में स्थापित किया है। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में भारत की 1-0 की बढ़त में अश्विन का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

ड्रेसिंग रूम माहौल के लिए की गंभीर की प्रशंसा

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर की उनके आरामदायक दृष्टिकोण के लिए प्रशंसा की, जिसने ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाने में योगदान दिया है। अश्विन ने भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज की सराहना की और विश्वास जताया कि गंभीर को मौजूदा टीम और भविष्य के सदस्य खूब पसंद करेंगे। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर यह टिप्पणी बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दौरान कोच गंभीर के साथ काम करने के अपने पहले अनुभव के बाद की है। इस दिग्गज स्पिनर ने अपने गृहनगर में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में शतक बनाया और दूसरी पारी में छह विकेट लिए, जिससे भारत ने 280 रनों से शानदार जीत हासिल की। अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने गंभीर और द्रविड़ के नेतृत्व वाले ड्रेसिंग रूम के बीच अंतर को उजागर किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत शांत है। मैं उसे रिलैक्स्ड रांचो कहना चाहता हूँ। उस पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सुबह, टीम की बैठक होगी। वह इस बारे में भी बहुत शांत है।

वंदे भारत ट्रेन में सफर करती दिखीं ईशा देओल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और एक्ट्रेस हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल हमेशा चर्चा में रहती हैं। ईशा सोशल मीडिया पर हमेशा कुछ न कुछ शेयर करती नजर आती हैं। ईशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में ईशा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से सफर करती नजर आ रही हैं। उनके वीडियो ने सभी का ध्यान खींचा है। इस वीडियो को ईशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। इस वीडियो में ईशा रेलवे स्टेशन पर नजर आ रही हैं। ईशा ने अपनी पहचान छुपाने के लिए हुडी पहनी हुई है। इस वीडियो के जरिए ईशा अपनी पूरी जर्नी दिखाती नजर आईं। जैसे ही कुछ फैंस की उन पर नजर पड़ी तो उन्होंने उनका वीडियो शूट करना शुरू कर दिया। ये सब कुछ ईशा ने अपने वीडियो में रिकॉर्ड किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए ईशा ने कैप्शन में लिखा कि लंबे समय बाद ट्रेन का सफर करने जा रही हूं। मैं वंदे भारत से सफर करने जा रही हूं। पूरी यात्रा में मुंबई सेंट्रल के स्टेशन की झलक दिखाई गई है। इस वीडियो पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और लोगों को उनका पब्लिक मोड में सफर करने का आइडिया काफी पसंद आ रहा है।

27 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी *देवरा*

जूनियर एनटीआर की *देवरा* 27 सितंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी। फैंस भी इस फिल्म को देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसी तरह अब फिल्म ने ओवरसीज प्री-बुकिंग में नया रिकॉर्ड बना लिया है। आंकड़ों से हर कोई हैरान है। *आरआरआर* के बाद दर्शक एक बार फिर जूनियर एनटीआर को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। जूनियर एनटीआर की देवरा रिलीज होने में महज 3 दिन बचे हैं। सोशल मीडिया पर भी इस फिल्म को लेकर माहौल बना हुआ है। अब फैंस को बस फिल्म की रिलीज का इंतजार है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर जूनियर एनटीआर के साथ काम कर रही हैं। साथ ही इस फिल्म में एक्टर सैफ अली खान भी हैं। भारत में इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। हालांकि, विदेश में फिल्म देवरा की प्री-बुकिंग तेजी से बढ़ रही है। इस फिल्म की रिलीज से पहले जूनियर एनटीआर ने एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। जूनियर एनटीआर पहले भारतीय अभिनेता बन गए हैं। जिनकी फिल्म ने प्री-सेल्स में 2 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। जब से जूनियर एनटीआर की देवरा का ट्रेलर रिलीज हुआ है, फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म में वह डबल रोल में नजर आएंगे। फिल्म की एडवांस बुकिंग कुछ दिन पहले ही अमेरिका में शुरू हो चुकी है। ऐसे ही अब मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर कर कई जानकारी दी है। फिल्म देवरा 300 करोड़ के बजट पर बनी है। अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग का रिस्पॉन्स देखकर मेकर्स भी काफी उत्साहित हैं।

रिश्तों का कारोबार!

कहीं पैसे देकर शादी तुड़वा रहे लोग तो कहीं मिटाई जा रही पार्टनर की यादें

चीन और स्पेन में इन दिनों एक बिल्कुल ही अलग तरह का चलन देखने को मिल रहा है। स्पेन कई लोग अपनी शादी को रद्द करवाने के लिए पेशेवरों को हायर कर रहे हैं। ये पेशेवर कपल पर झूठे आरोप लगाकर शादी को रद्द करवाने में माहिर होते हैं। इस तरह की सेवाओं की मांग में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि कुछ लोग शादी के लिए तैयार न हों या फिर वे किसी और से प्यार करते हों। यही वजह है कि दिन-ब-दिन इन जगहों पर यह कारोबार तेजी से पैर पसार रहा है। चीन में इन दिनों शादी से ज्यादा तलाक के मामले देखने को मिल रहे हैं। इतना ही नहीं, इसके साथ ही यहां एक अनोखा चलन भी सामने आया है। दरअसल, तलाकशुदा जोड़े अब अपनी शादी की यादों को हमेशा के लिए मिटाना चाहते हैं और इसके लिए बाकायदा पेशेवरों की मदद ले रहे हैं। कई ऐसी कंपनियां हैं जो तलाकशुदा जोड़ों को उनकी निजी जानकारी को सुरक्षित रखने में मदद करती हैं। ये कंपनियां शादी की फोटो, वीडियो और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड्स को पूरी तरह से नष्ट करने की सर्विस देती हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस सर्विस के लिए लगभग 669 से 2,339 रुपए तक का शुल्क भी लिया जाता है। 2021 में चीन सरकार ने तलाक की बढ़ती दर को नियंत्रित करने के लिए एक कठोर कदम उठाया था। इस कदम के तहत, किसी भी जोड़े को तलाक लेने से पहले कम से कम 30 दिनों का *कूलिंग ऑफ* पीरियड अनिवार्य कर दिया गया था। सरकार का मानना था कि इस अवधि में जोड़े अपने मतभेदों को सुलझा सकेंगे और शायद तलाक से बच पाएंगे। लेकिन हैरत की बात है कि इस कानून के बावजूद, चीन में तलाक की दर में कोई खास कमी नहीं आई है। इस साल के पहले छह महीनों में ही लगभग 13 लाख जोड़े तलाक ले चुके हैं। यह आंकड़ा बेहद चिंताजनक है और यह दर्शाता है कि तलाक के पीछे और भी गहरे सामाजिक और आर्थिक कारण हो सकते हैं। स्पेन में हाल ही में शादियों में तोड़फोड़ करने का एक अजीबोगरीब चलन सामने आया है। कई घटनाओं में देखा गया है कि शादी समारोह के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति अचानक आकर दूल्हे या दुल्हन पर झूठे आरोप लगाकर हंगामा खड़ा कर देता है। इस तरह के विवाद से शादी अचानक रद्द हो जाती है। जांच में पता चला है कि इन घटनाओं के पीछे अक्सर खुद दूल्हा या दुल्हन ही होता है। वे किसी पेशेवर व्यक्ति को पैसे देकर शादी में तोड़फोड़ करवाते हैं। ऐसी सेवाएं देने वाले लोग बाजार में आसानी से मिल जाते हैं और वे अपनी सर्विस के लिए 50 हजार रुपए तक लेते हैं। स्पेन में कई वेडिंग प्लानर लोगों की शादियों में तोड़फोड़ करने के लिए अपनी सर्विस दे रहे हैं। जरअसल, हंसी-मजाक से शुरू हुआ यह काम अब इन लोगों के लिए कमाई का जरिया बन गया है, जिसके लिए ऑनलाइन विज्ञापन के जरिए भी प्रचार किया जाता है।

पुष्पा-2 से तृप्ति डिमरी का आइटम सॉन्ग हुआ रिजेक्ट

अल्लू अर्जुन की *पुष्पा-2: द रूल* सोशल मीडिया पर सबसे चर्चित फिल्म है। इस फिल्म के पहले पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। फिल्म में सामंथा प्रभु का आइटम सॉन्ग *ओ अंतवा मावा...* दर्शकों को काफी पसंद आया था। ऐसे में इस हिट आइटम सॉन्ग के बाद अब दर्शकों को फिल्म के दूसरे पार्ट में भी धमाकेदार आइटम सॉन्ग की उम्मीद है। कुछ दिनों पहले खबरें आई थीं कि तृप्ति डिमरी फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ आइटम सॉन्ग करती नजर आएंगी। कहा जाता है कि उन्होंने इस गाने के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन अब कहा जा रहा है कि उसे अस्वीकार कर दिया गया है। रणबीर कपूर के साथ *एनिमल* में नजर आने के बाद तृप्ति डिमरी कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। फिलहाल तृप्ति डिमरी राजकुमार राव के साथ फिल्म *विक्की विद्या का वो वाला* वीडियो में नजर आएंगी। तृप्ति ने पुष्पा 2: द रूल के आइटम सॉन्ग के लिए ऑडिशन दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा है कि मेकर्स ने तृप्ति डिमरी को रिजेक्ट कर दिया है। हालांकि, अभी तक रिजेक्शन की वजह सामने नहीं आई है। कुछ दिनों पहले इस फिल्म के आइटम सॉन्ग के लिए तृप्ति के साथ जाह्नवी कपूर का नाम भी सामने आ रहा था। दर्शक पिछले कई दिनों से फिल्म पुष्पा 2: द रूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म *पुष्पा* भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। साथ ही इस फिल्म के गाने भी दर्शकों को खूब पसंद आए। इसलिए, पुष्पा 2: द रूल में दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते, वे फिल्म के गाने के लिए सही अभिनेत्री की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा है कि सामंथा प्रभु फिल्म में कैमियो कर सकती हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

वॉर-2 की शूटिंग के लिए इटली पहुंचे ऋतिक और कियारा

ऋतिक रोशन आगामी फिल्म *वॉर 2* सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। फिलहाल ऋतिक इटली में फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं। हाल ही में सेट पर ऋतिक की कुछ तस्वीरें वायरल हुई। इसमें वह एक्शन सीन शूट करते नजर आ रहे हैं। अब ऋतिक और कियारा आडवाणी का वीडियो भी वायरल हो रहा है। दोनों एक रोमांटिक गाने की शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। वॉर 2 में ऋतिक रोशन-कियारा अडवाणी की फ्रेश जोड़ी नजर आएगी। वीडियो में दोनों इटली की सड़कों पर कैजुअल अंदाज में नजर आ रहे हैं। पिंक मिनी ड्रेस में कियारा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वह दौड़ते हुए ऋतिक को गले लगाती नजर आ रही हैं। दोनों हाथ में हाथ डालकर चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह एक रोमांटिक सॉन्ग शूट है। दोनों का वीडियो वायरल हो रहा है। फिल्म में संगीत प्रीतम का है। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। इसमें साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में हैं। सभी क्रू अगले महीने भारत लौटेंगे। वॉर-2 अगले साल 15 अगस्त को रिलीज होगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**